Website : www.mantrabharat.com

जुनून है सच लिखने का

E-Mail : mantrabharatmumbai@gmail.com, Mo. 7007837917

संस्करण : मुंबई
वर्ष : 10
अंक : 285
पृष्ठ : 8
मूल्य : 2.00
मंगलवार, 21 अक्टूबर, 2025

मंत्र भारत

हिन्दी दैनिक

मुंबई, लखनऊ, प्रयागराज एवं ग्वालियर से एक साथ प्रकाशित एवं ठाणे, नवी मुम्बई, पालघर, नासिक एवं पुणे से प्रसारित

3 महाराष्ट्र का 'विज़न डॉक्यूमेंट' विकसित भारत... 4 बारूद नहीं, दीप जलाएं, हरित दीपोत्सव की ... 7 इंदौर की बहू बनेंगी स्मृति मंधाना! ....

संक्षिप्त न्यूज

मुख्यमंत्री रियो बने विधायक दल के नेता, दो एमएलए वाली एनपीएफ में अब 34 विधायक

कोहिमा। नगालैंड के मुख्यमंत्री नेफ्यू रियो को एनपीएफ विधायक दल (एनपीएफएलपी) का नेता चुना गया है। यह फैसला शनिवार को रियो की नेशनलिस्ट डेमोक्रेटिक प्रोग्रेसिव पार्टी (एनडीपीपी) के नगा पीपुल्स फ्रंट (एनपीएफ) में विलय के प्रस्ताव को स्वीकार किए जाने के बाद लिया गया। इसके बाद मुख्यमंत्री के आवासीय कार्यालय में एनपीएफ विधायक दल की बैठक हुई।

रियो ने एनपीएफएलपी नेता चुने जाने पर सोशल मीडिया पोस्ट में कहा, एनपीएफ विधायक दल का नेता चुने जाने पर मुझे बहुत खुशी हो रही है। उन्होंने कहा, एनपीएफएलपी के साथ मैंने अध्यक्ष शारिंगैन लोंगकुमेर से मुलाकात की और अपने दस्तावेज सौंपे। एनपीएफ के अध्यक्ष अपोंग पोंगेनर और महासचिव अचुमबेमो किकोन ने भी विलय को स्वीकार करने वाले दस्तावेज विधानसभा अध्यक्ष लोंगकुमेर को सौंप दिए।

रियो ने 2002 में एससी जामिर की कांग्रेस सरकार में गृह मंत्री के पद से इस्तीफा देकर नगालैंड पीपुल्स काउंसिल (एनपीसी) की स्थापना की थी। बाद में इसे नगालैंड से परे मणिपुर और अरुणाचल प्रदेश तक विस्तारित करने के मकसद से नगालैंड पीपुल्स फ्रंट (एनपीएफ) का नाम दिया गया। रियो के नेतृत्व में एनपीएफ ने 2003, 2008 और 2013 के लगातार तीन विधानसभा चुनावों में जीत हासिल की। उन्होंने 2014 में सांसद बनने पर अपनी विधानसभा सीट छोड़ दी।

देश में दीपावली की धूम, उत्साह और उमंग के साथ मनाया जा रहा त्यौहार

नई दिल्ली। देश भर में दीपावली की धूम है। पूरे देश में आज जबरदस्त तरीके से उत्साह और उमंग का माहौल दिख रहा है। पूरे देश में अलग-अलग तरीके से दीपावली का त्यौहार मनाया जा रहा है। हर तरफ आतिशबाजी हो रही है। साथ ही साथ दिये और इलेक्ट्रिक बल्ब के साथ अलग-अलग जगहों पर सजावट देखने को मिल रही है। अमावस्या के दिन यह पर्व पूरे देश में मनाया जाता है। श्रीनगर का लाल चौक हो या कोलकाता का विक्टोरिया महल या फिर गुजरात का कोई शहर हो या हमेशा जागती रहने वाली मुंबई हो, हर तरफ उजाला साफ तौर पर देखने को मिल रहा है। दिल्ली, बेंगलुरु, हैदराबाद, पटना, लखनऊ में भी जबरदस्त तरीके से सजावट देखने को मिल रही है। हर तरफ आतिशबाजी हो रही है। लोग एक दूसरे को मिठाइयां बांट रहे हैं।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सोमवार को राष्ट्रपति भवन गए और राष्ट्रपति द्रौपदी

मुर्मू से मुलाकात की और उन्हें दिवाली की हार्दिक शुभकामनाएँ दीं। राष्ट्रपति कार्यालय ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर मुलाकात की तस्वीरें साझा कीं, जिनमें प्रधानमंत्री मोदी राष्ट्रपति को फूलों का गुलदस्ता भेंट करते हुए दिखाई दे रहे हैं। इससे पहले दिन में, प्रधानमंत्री मोदी ने एक्स पर एक पोस्ट के ज़रिए देशवासियों को दिवाली की शुभकामनाएँ दीं। उन्होंने ट्वीट किया, 'दिवाली के पावन अवसर पर हार्दिक शुभकामनाएँ। रोशनी का यह त्योहार हमारे जीवन को सद्भाव, खुशी और समृद्धि से प्रकाशित करे। हमारे चारों ओर सकारात्मकता की भावना व्याप्त रहे।'

इस त्यौहार के भव्य आयोजन में, प्रधानमंत्री मोदी ने भारतीय नौसेना के जवानों के साथ भारत के स्वदेश निर्मित विमानवाहक पोत, आईएनएस विक्रांत पर भी दिवाली मनाई। नौसेना अधिकारियों और नौसैनिकों को संबोधित करते हुए, मोदी ने युद्धपोत के सामरिक महत्व की प्रशंसा करते हुए कहा, 'आईएनएस विक्रांत के नाम ने ही पाकिस्तान की नींद उड़ा दी थी। अगर सिर्फ़ इसका नाम ही दुश्मन के हौसले पस्त कर सकता है, तो वह आईएनएस विक्रांत ही है।' इस पल के बारे में भावुक होते हुए, प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, 'आज का दिन अद्भुत है। यह दृश्य अविस्मरणीय है। एक तरफ मेरे सामने समंदर है, तो दूसरी तरफ भारत माता के वीर जवानों की ताकत।' आईएनएस विक्रांत पर प्रधानमंत्री का दिवाली उत्सव भारत की बढ़ती समुद्री ताकत और उसके सशस्त्र बलों के समर्पण का प्रतीक था, जिसने इस साल के त्यौहार को और भी खास बना दिया।

दिवाली की शुभकामनाओं के साथ पीएम मोदी की खास अपील, गर्व से स्वदेशी अपनायें

नई दिल्ली। दीपावली के पर्व पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देशवासियों को शुभकामनाएं दीं। उन्होंने एक्स हैंडल पर साझा किए संदेश में लिखा, 'सभी देशवासियों को दीपावली की हार्दिक शुभकामनाएं। प्रकाश का यह पावन पर्व हर किसी के जीवन को सुख-समृद्धि और सौहार्द से आलोकित करे, यही कामना है।'

इससे पहले रविवार रात प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देशवासियों से स्वदेशी उत्पादों

को अपनाने का संकल्प लेने की अपील की। उन्होंने एक पुरानी तस्वीर को दोबारा पोस्ट करते हुए एक्स हैंडल पर लिखा, 'आइए इस त्योहारी सीजन में 140 करोड़ भारतीयों की कड़ी मेहनत, रचनात्मकता और नवाचार का जश्न मनाएं।'

प्रधानमंत्री ने देशवासियों से गर्व का अनुभव करते हुए सोशल मीडिया पर तस्वीरें साझा करने की अपील भी की। उन्होंने लिखा, 'आइए, भारतीय उत्पाद खरीदें और कहें- गर्व से कहो ये स्वदेशी है! आपने जो खरीदा है उसे सोशल मीडिया पर भी साझा करें। इस तरह आप दूसरों को भी ऐसा करने के लिए प्रेरित करेंगे।' गौरतलब है कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार ने गत माह 22 सितंबर से जीएसटी दरों में कटौती का एलान किया था। नवरात्रि के मौके पर इसे सरकार ने जीएसटी बचत उत्सव का नाम दिया था। सरकार ने कहा था कि त्योहारी सीजन में जनता की मांग और आकांक्षाओं के अनुरूप महंगाई से बड़ी राहत देने के लिए टैक्स की दरों में कटौती का फैसला लिया गया है।

संघ पर प्रतिबंध का मामला

पूर्व सीएम शेट्टार का दावा- उनकी सरकार में ऐसा आदेश नहीं दिया गया

बंगलूरू। कर्नाटक की सिद्धारमैया सरकार ने राज्य में संघ की गतिविधियों को प्रतिबंध करने वाला आदेश जारी किया है, जिस पर राज्य की राजनीति गरमा गई है। सिद्धारमैया ने दावा किया कि यह आदेश नया नहीं है और पूर्व की भाजपा सरकार ने ही यह आदेश पारित किया था। अब सिद्धारमैया के इस दावे पर भाजपा के पूर्व सीएम जगदीश शेट्टार ने कांग्रेस सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि उनकी सरकार में ऐसा कोई आदेश पारित नहीं किया गया।

राज्य सरकार ने शनिवार को एक आदेश जारी किया था जिसमें किसी भी निजी संगठन, संघ या व्यक्तियों के समूह द्वारा अपनी गतिविधियों के लिए सरकारी संपत्ति या परिसरों का उपयोग करने हेतु पूर्व अनुमति अनिवार्य कर दी गई थी। हालांकि सरकारी आदेश में आरएसएस का नाम स्पष्ट रूप से नहीं है, लेकिन कहा जा रहा है कि आदेश के प्रावधानों का उद्देश्य संघ की गतिविधियों, जिसमें उसके रूट मार्च भी शामिल हैं, को प्रभावित करना है।

कांग्रेस सरकार अपने आदेश का बचाव करने के लिए शेट्टार के नेतृत्व वाली तत्कालीन भाजपा सरकार द्वारा जारी साल 2013 में जारी उस सर्कुलर का हवाला दे रही है, जिसमें स्कूल परिसर और उससे जुड़े खेल के मैदानों का इस्तेमाल केवल शैक्षणिक उद्देश्यों के लिए करने का आदेश दिया गया था। विपक्ष द्वारा सरकार पर संघ को निशाना बनाने के आरोपों पर सत्तारूढ़ कांग्रेस कह रही है कि वह केवल पूर्ववर्ती भाजपा सरकार के फैसले को लागू कर रही है।

शेट्टार ने हुबली में मीडिया से बात करते हुए कहा, 'वे (सरकार) अब दावा कर रहे हैं कि वे उस आदेश को जारी रख रहे हैं जो भाजपा सरकार ने जगदीश शेट्टार के मुख्यमंत्री रहते जारी किया था। यह कोई आदेश ही नहीं था, जब किसी संगठन ने अपनी गतिविधियों के लिए स्कूल परिसर के इस्तेमाल की अनुमति मांगी, तो शिक्षा विभाग ने एक सर्कुलर के रूप में अनुमति देने से इनकार कर दिया था।' कांग्रेस पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा, 'जब मैं मुख्यमंत्री था, तब यह कैबिनेट द्वारा लिया गया कोई फैसला नहीं था। यह पूरे राज्य के लिए कोई सामान्य सर्कुलर भी नहीं था, और इसमें आरएसएस का कोई जिक्र नहीं था।'

पश्चिम बंगाल के राज्यपाल बोस, मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने काली पूजा, दिवाली की शुभकामनाएं दीं

कोलकाता। पश्चिम बंगाल के राज्यपाल सी वी आनंद बोस और मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने सोमवार को राज्य के लोगों को काली पूजा और दिवाली की शुभकामनाएं दीं। बोस ने अपने संदेश में कहा, ''प्रकाश का यह पर्व हमारे जीवन को प्रकाशित करे और हमें सद्भाव की ओर ले जाए।'' उन्होंने काली पूजा और दिवाली के अवसर पर राज्य के लोगों के अच्छे स्वास्थ्य, समृद्धि और प्रगति की भी कामना की।

मुख्यमंत्री ने काली पूजा और दिवाली की हार्दिक शुभकामनाएं दीं और साथ ही अपने द्वारा लिखित व संगीतबद्ध तथा श्रीलेखा बंद्योपाध्याय द्वारा गाया गया एक उत्सव गीत भी साझा किया। बनर्जी ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में देवी काली के आशीर्वाद का आह्वान करते हुए कहा, ''दयालु मां, प्रकाश की देवी, अंधकार को दूर करें और सभी के लिए शांति लाएं।

पुलिस के साथ झड़प के एक दिन बाद जेएनयू के छह छात्रों के खिलाफ मामला दर्ज

नई दिल्ली। वसंत कुंज (उत्तर) पुलिस थाने तक विरोध मार्च के दौरान छात्रों और पुलिस के बीच झड़प हो गई, जिसमें कई छात्र घायल हो गए। जेएनयू छात्रसंघ के अध्यक्ष नीतीश कुमार, उपाध्यक्ष मनीषा, महासचिव मुन्तेहा फातिमा और छात्र मणिकांत पटेल, ब्रिटी कर एवं सौर्य मजूमदार से बॉण्ड भरवाया गया है।

एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि बॉण्ड के तहत छात्रों को कानूनी तौर पर बुलाए जाने पर जांच अधिकारी के सामने पेश होना होगा और अगर वे शहर छोड़ने का इरादा रखते हैं तो पुलिस को पहले सूचित करना होगा।

पुलिस ने बताया कि उनके खिलाफ वसंत कुंज (उत्तर) पुलिस थाने में एक प्राथमिकी दर्ज की गई है। इसके अलावा 28 अन्य छात्रों को दिल्ली पुलिस अधिनियम की धारा 65 के तहत हिरासत में लिया गया और बाद में चिकित्सा परीक्षण के बाद रिहा कर दिया गया।

जेडीयू का तंजः तेजस्वी की एकतरफा घोषणा, बिहार चुनाव में आरजेडी ने मानी हार!

पटना। विपक्षी राष्ट्रीय जनता दल (राजद) द्वारा 143 उम्मीदवारों की घोषणा के बीच, जनता दल (यूनाइटेड) के राष्ट्रीय प्रवक्ता राजीव रंजन प्रसाद ने सोमवार को इसे एकतरफ़ा घोषणा करार दिया और कहा कि इससे संकेत मिलता है कि बिहार के नेता प्रतिपक्ष (एलओपी) तेजस्वी यादव ने हार स्वीकार कर ली है। एएनआई से बात करते हुए, प्रसाद ने तर्क दिया कि यादव के अहंकार और शेखी बघारने वाले दावों को उनके ही सहयोगियों ने कुचल दिया है।

जद(यू) नेता ने कहा कि उनका गठबंधन कहाँ बचा है? राहुल गांधी और तेजस्वी यादव लंबे-चौड़े भाषण दे रहे थे, लेकिन यह एकतरफ़ा घोषणा है। यह तेजस्वी यादव द्वारा चुनाव शुरू होने से पहले ही हार स्वीकार करने की स्वीकारोक्ति है। उनके अहंकार और शेखी बघारने वाले दावों को उनके ही सहयोगियों ने कुचल दिया है।

प्रसाद ने आगे कहा कि तेजस्वी यादव के पास 'लंबे-चौड़े भाषण' देने के अलावा कुछ नहीं बचा है। उन्होंने आगे कहा कि अब उनके (तेजस्वी यादव) पास लंबे-चौड़े भाषण देने के अलावा कुछ नहीं बचा है। नीतीश कुमार ने राज्य में जिस तरह का बदलाव लाया है - इससे पहले भी तेजस्वी यादव और उनके साथी लाचार थे, लेकिन इस बिखरे हुए गठबंधन के बाद, हमारा मानना ??है कि कहीं कोई मुकाबला ही नहीं है। हमें बड़ी जीत मिलने वाली है। यह घोषणा ऐसे समय में हुई है जब राजद ने 6 और 11 नवंबर को दो चरणों में होने वाले बिहार विधानसभा चुनाव के लिए 143 उम्मीदवारों की सूची जारी की है। आधिकारिक सूची दूसरे चरण के नामांकन के आखिरी दिन जारी की गई। 143 उम्मीदवारों में 24 महिला उम्मीदवार भी शामिल हैं।

इस घोषणा के साथ ही महागठबंधन का स्वरूप भी स्पष्ट हो गया है, जिसमें राजद 143, कांग्रेस 61, भाकपा माले 20 सीटों पर चुनाव लड़ेगी और शेष सीटें मुकेश सहनी की वीआईपी और छोटे सहयोगियों को मिलने की संभावना है। चूँकि गठबंधन की औपचारिक घोषणा नहीं हुई है, इसलिए अंतिम समय में कुछ नाम वापस भी लिए जा सकते हैं। तेजस्वी यादव राघोपुर निर्वाचन क्षेत्र से, ललित यादव दरभंगा ग्रामीण से, और दिलीप सिंह बरौली से, रामविलास पासवान पीरपैंती (एससी) से और सावित्री देवी चकाई से चुनाव लड़ेंगे।

बिहार चुनाव में झामुमो पीछे हटी, कहा- कांग्रेस-राजद ने 'साजिश' से छीनीं सीटें; गठबंधन पर तलवार

रांची। झारखंड में सत्तारूढ़ झामुमो ने सोमवार को घोषणा की कि वह पड़ोसी राज्य बिहार में विधानसभा चुनाव नहीं लड़ेगा। पार्टी ने दावा किया कि यह फैसला उसके सहयोगी राजद और कांग्रेस की राजनीतिक साजिश के मद्देनजर लिया गया है, जिसके कारण उसे महागठबंधन में शामिल होने के लिए सीटें नहीं मिलीं। पत्रकारों से बात करते हुए, झामुमो के वरिष्ठ नेता सुदिव्य कुमार ने कहा कि उनकी पार्टी झारखंड में कांग्रेस और राजद के साथ गठबंधन की समीक्षा करेगी और इस नापसंदगी का करारा जवाब देगी।

यह घोषणा हेमंत सोरेन के नेतृत्व वाली पार्टी द्वारा बिहार में अकेले चुनाव लड़ने और छह विधानसभा क्षेत्रों में चुनाव लड़ने की घोषणा के दो दिन बाद आई है क्योंकि सीट बंटवारे पर बातचीत विफल रही थी। राज्य के पर्यटन मंत्री कुमार ने कहा, 'राजद और कांग्रेस एक राजनीतिक साजिश के तहत झामुमो को चुनाव लड़ने से वंचित करने के लिए ज़िम्मेदार हैं। झामुमो इसका करारा जवाब देगा और राजद व कांग्रेस के साथ अपने गठबंधन की समीक्षा करेगा।'

गौरतलब है कि झामुमो ने पिछले हफ़्ते घोषणा की थी कि वह चकाई, धमदाहा, कटोरिया, मनिहारी, जमुई और पीरपैंती सीटों पर चुनाव लड़ेगी, जहाँ 11 नवंबर को दूसरे चरण में मतदान होना है। इन सीटों पर नामांकन पत्र जमा करने की अंतिम तिथि सोमवार थी।

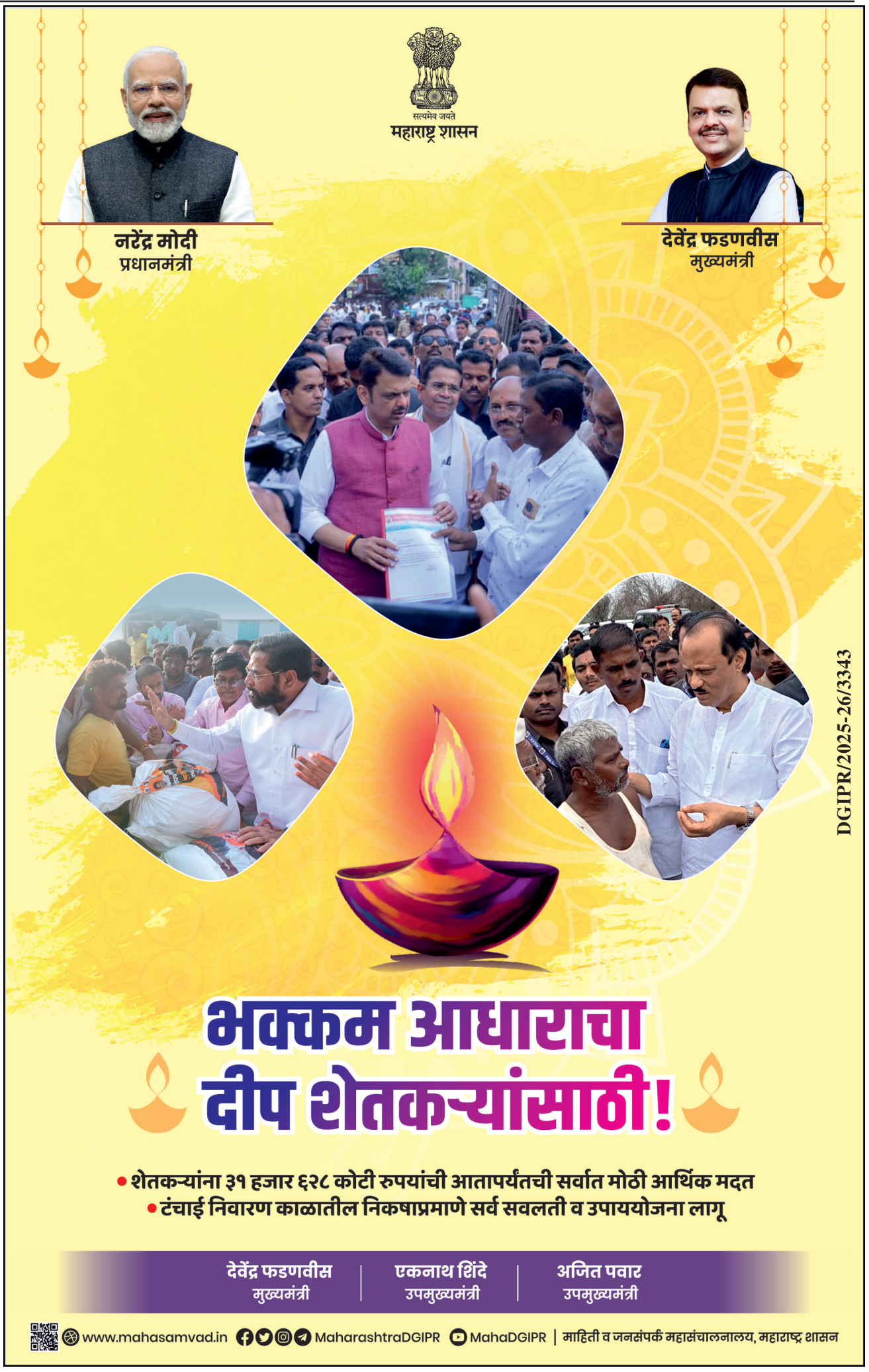

संजय राउत का बीजेपी पर 'मैच फिक्सिंग' का आरोप, बोले- 96 लाख फर्जी वोटर, चुनाव आयोग के खिलाफ मार्च

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

शिवसेना (यूबीटी) सांसद संजय राउत ने सोमवार को महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) प्रमुख राज ठाकरे का समर्थन किया, जिन्होंने हाल ही में आरोप लगाया था कि मतदाता सूची में 96 लाख फर्जी मतदाता जोड़े गए हैं। मुंबई में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में इस मुद्दे पर बोलते हुए, राउत ने पार्टी की स्थिति स्पष्ट करते हुए कहा कि हमने कभी नहीं कहा कि हम बीएमसी चुनाव नहीं लड़ेंगे। हमने बस इतना कहा था कि पहले मतदाता सूची में सुधार किया जाए। राज ठाकरे के अनुसार, सूची में 96 लाख मतदाता फर्जी हैं। राउत ने आगे एक विरोध प्रदर्शन की घोषणा करते हुए कहा कि 1 नवंबर को, सभी विपक्षी दल सूची में फर्जी मतदाताओं के खिलाफ एक लंबे मार्च में भाग लेंगे। इस बीच, राउत ने रविवार को महाराष्ट्र में पार्टी प्रमुख उद्धव ठाकरे के नेतृत्व में चुनाव अधिकारियों के साथ एक बैठक की योजना की घोषणा की, जिसमें मतदाता सूची में विसंगतियों पर चिंताओं का समाधान किया जाएगा।

राउत ने कहा कि ठाकरे, मनसे के राज ठाकरे और राकांपा-एससीपी के शरद पवार सहित पार्टी के अन्य नेताओं के साथ, मतदाता सूची में

विसंगतियों पर चर्चा करने के लिए अधिकारियों से मिलेंगे। संजय राउत ने संवाददाताओं से कहा कि शिवसेना (यूबीटी) प्रमुख उद्धव ठाकरे, मनसे प्रमुख राज ठाकरे, कांग्रेस नेता, राकांपा-एससीपी प्रमुख शरद पवार अधिकारियों से मिलेंगे और महाराष्ट्र में मतदाता सूची में विसंगतियों के मुद्दे को उनके ध्यान में लाएंगे...वे मैच फिक्सिंग करते हैं और फिर चुनाव लड़ते हैं।

राउत ने आरोप लगाया कि चुनावों के दौरान चुनावी अनियमितताएँ और 'मैच फिक्सिंग' होती है, और इसकी गहन जाँच की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने भारतीय जनता पार्टी पर 'मैच फिक्सिंग' करने और चुनाव लड़ने का आरोप लगाया और 1 नवंबर को भारतीय चुनाव आयोग (ण्ंघ) के खिलाफ मुंबई में एक विशाल मार्च निकालने की घोषणा की, जिसमें पार्टी प्रमुख उद्धव ठाकरे, मनसे अध्यक्ष राज ठाकरे और अन्य विपक्षी नेता शामिल होंगे।

संजय राउत ने संवाददाताओं से कहा, 'हमें सड़कों पर उतरना होगा... 1 नवंबर को सभी दल मुंबई में चुनाव आयोग के खिलाफ एक विशाल मार्च निकालेंगे... और महाराष्ट्र के चुनाव आयोग को दिखाएंगे... ईई और विपक्षी नेता - शरद पवार, उद्धव ठाकरे, राज ठाकरे और अन्य सभी नेता - इस मार्च में भाग लेंगे।'

राउत ने कहा कि कांग्रेस सांसद राहुल गांधी के नेतृत्व में कथित 'वोट चोरी' के आरोपों को लेकर ECI के खिलाफ लड़ रहे विपक्षी दलों ने भी मुंबई में मार्च शुरू कर दिया है। उन्होंने आगे कहा कि आज हम सभी दलों की ओर से अपना पक्ष रख रहे हैं... मनसे के लगभग सभी सदस्य आज यहाँ मौजूद हैं, जो खुशी की बात है। चुनाव आयोग घोटाले के मुद्दे पर तुरंत चर्चा के लिए यह प्रेस कॉन्फ्रेंस बुलाई गई थी, जिसके खिलाफ हम राहुल गांधी के नेतृत्व में दिल्ली में लड़ रहे हैं और जो अब महाराष्ट्र में भी शुरू हो रहा है। इस साल की शुरुआत में, राहुल गांधी ने आरोप लगाया था कि नवंबर 2024 में होने वाले महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में 'धांधली' हुई थी और दावा किया था कि बिहार विधानसभा चुनावों में भी यही दोहराया जाएगा।

ठाणे कोर्ट ने हत्या के दो आरोपियों को किया बरी, कहा- सबूतों की कड़ियां साबित नहीं कर पाईं अपराध

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

ठाणे की एक अदालत ने 2023 में हुई एक व्यक्ति की हत्या के मामले में दो आरोपियों को बरी कर दिया है। अदालत ने अपने फैसले में कहा कि अभियोजन पक्ष यह साबित करने में नाकाम रहा कि सारे सांयोगिक साक्ष्य एक मजबूत कड़ी के रूप में जुड़ते हैं और आरोपियों की दोषसिद्धि को संदेह से परे साबित करते हैं। इस केस की सुनवाई कर रहे प्रमुख जिला एवं सत्र न्यायाधीश एसबी. अग्रवाल ने माना कि मृतक की मौत एक हत्या (हॉमिकाइड) थी, जिसे पोस्टमार्टम रिपोर्ट, एक गवाह और मृतक की बेटी की गवाही से साबित किया गया है।

अदालत ने कहा कि केस के अहम हिस्सों में गंभीर खामियां हैं। जैसे कि ण्ण्ऊ फुटेज सिर्फ यह दिखाता है कि आरोपी आसपास के इलाके में थे, लेकिन घटना को होते नहीं दिखाता। इसे ठोस सबूत नहीं माना जा सकता।अदालत ने इस बात पर भी जोर दिया कि अभियोजन पक्ष ने एक गवाह का बयान नौ दिन बाद लिया, जबकि उस गवाह ने घटना के दिन ही आरोपियों के कथित कबूलनामा की बात कही थी। इतनी देरी पर कोई स्पष्टीकरण नहीं दिया गया।

इसके साथ ही अदालत ने कहा कि चॉपर और हथौड़ा कहां से खरीदे गए, इसे लेकर जो सबूत दिए गए, वो भरोसेमंद नहीं पाए गए। वहां हथियारों और आरोपियों के कपड़ों पर मिले खून के निशानों की जांच रिपोर्ट निर्णायक) नहीं थी। इन सब खामियों के चलते अदालत ने कहा कि अभियोजन अपना केस साबित नहीं कर सका और आरोपियों को बरी कर दिया।

बता दें कि अभियोजन के मुताबिक, रविंद्र पडसे की 28 फरवरी 2023 को महाराष्ट्र के ठाणे शहर के जांभली नाका इलाके में हत्या कर दी गई थी। मामले में आरोप था कि सड़क के ठेले को लेकर हुए विवाद में दो आरोपियों धुरुपचंद उर्फ ध्रुव विश्वनाथ पटवा (35) और अशरफ हक्कात अली ने रविंद्र पर चॉपर और लोहे के हथौड़े से हमला कर दिया, जिससे उसकी मौत हो गई।मामले में मृतक के परिवार वालों ने बताया कि रविंद्र खून से लथपथ हालत में मिला था और उसे अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। आरोपियों पर भारतीय दंड संहिता की धारा 302 (हत्या), 34 (साझा इरादा), आर्म्स एक्ट और महाराष्ट्र पुलिस एक्ट के तहत केस दर्ज किया गया था।

ठाकरे बंधुओं का अनौपचारिक रूप से एकसाथ आना 'नाटक' : एकनाथ शिंदे

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री और शिवसेना प्रमुख एकनाथ शिंदे ने रविवार को ठाकरे बंधुओं की अनौपचारिक मुलाकात को एक 'नाटक' बताया, जिसे रिश्तों में सुधार के रूप में प्रचारित किया जा रहा है शिंदे ने एक सभा को संबोधित

करते हुए कहा, ''अतीत में मराठी नाटक 'भाऊबंधकी' बहुत प्रसिद्ध था, लेकिन अब 'मनोमिलन' का जोर-शोर से प्रचार किया जा रहा है।''

'भाऊबंधकी' शब्द का तात्पर्य भाइयों या रिश्तेदारों के बीच प्रतिद्वंद्विता से है, जबकि 'मनोमिलन' का अर्थ है दिल और दिमाग का एक साथ आना। शिंदे की यह टिप्पणी शिवसेना(उबाठा) प्रमुख उद्धव ठाकरे के अपने चचेरे भाई और महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) अध्यक्ष राज ठाकरे द्वारा मुंबई में आयोजित दिवाली समारोह में शामिल होने के बाद आई है। दोनों भाइयों ने हाल ही में कई बार मुलाकात की थी, जिससे स्थानीय निकाय चुनावों के लिए गठबंधन बनाने की अटकलें तेज हो गई हैं।

शिंदे ने अंबरनाथ में नए आनंद दिघे नाटक प्रेक्षागृह को अपने दिवंगत गुरु और शिवसेना के दिग्गज नेता आनंद दिघे को समर्पित किया। उन्होंने इस अवसर पर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा)नीत 'महायुति' सरकार की विभिन्न उपलब्धियों को गिनाया।

डकैती के मामले में बर्खास्त सब-इंस्पेक्टर रंजीत कासले गिरफ्तार, गुजरात पुलिस ने लातूर से पकड़ा

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

गुजरात पुलिस ने सूरत में दर्ज डकैती के एक मामले में महाराष्ट्र पुलिस के बर्खास्त सब-इंस्पेक्टर रंजीत कासले को लातूर से गिरफ्तार किया है। गुजरात पुलिस ने रविवार रात रंजीत कासले को गिरफ्तार किया। महाराष्ट्र सरकार ने इस साल की शुरुआत में कासले को बर्खास्त कर दिया था। दरअसल रंजीत कासले ने आरोप लगाया था कि उन्हें पिछले साल बीड सरपंच हत्याकांड के मुख्य संदिग्ध वाल्मीक कराड की

हत्या की सुपारी दी गई थी।

कासले के खिलाफ सूरत के पास पाल पुलिस स्टेशन में डकैती का एक मामला दर्ज किया गया था। लातूर पुलिस की अपराध शाखा के निरीक्षक सुधाकर बावकर ने बताया कि गुजरात पुलिस की टीम लातूर पहुंची और रविवार रात लगभग 10:30 बजे उन्हें गिरफ्तार कर लिया। एक अन्य अधिकारी ने बताया कि सूरत डकैती मामले में गिरफ्तार किए गए अन्य संदिग्धों ने पूछताछ के दौरान कासले की कथित संलिप्तता के बारे में बताया कि किस तरह से कासले ने लुटेरों के गिरोह की मदद की थी।

कासले पर लुटेरों को रसद और अन्य मदद पहुंचाने का आरोप है। कासले की गिरफ्तारी के लिए गुजरात पुलिस की एक टीम बीते कई दिनों से लातूर में डेरा डाले हुए थी और रविवार रात मौका मिलते ही उन्होंने कासले को पकड़ लिया। इस साल अप्रैल में, महाराष्ट्र की बीड पुलिस ने कासले को अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति (अत्याचार निवारण) अधिनियम के तहत कथित तौर पर एक आपत्तिजनक टिप्पणी पोस्ट करने के आरोप में गिरफ्तार किया था। कासले ने यह भी सनसनीखेज दावा किया था कि पिछले साल दिसंबर में मस्साजोग गांव के सरपंच संतोष देशमुख की हत्या के मुख्य संदिग्ध वाल्मीक कराड की हत्या के लिए उसे मोटी रकम की पेशकश की गई थी।

मुंबई के कफ परेड की एक चॉल में लगी आग; हादसे में एक शख्स की मौत, तीन लोग घायल

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

मुंबई। मुंबई के कफ परेड इलाके में एक वन प्लस वन चाल की पहली मंजिल पर आग लग गई। सोमवार को तड़के कैप्टन प्रकाश पेठे मार्ग पर स्थित इस चॉल में लगी आग में एक व्यक्ति की मौत हो गई और तीन अन्य घायल हो गए। बृहन्मुंबई महानगरपालिका (बीएमसी) के दमकल विभाग को तुरंत इसकी सूचना दी।

दमकल विभाग के एक कर्मचारी ने बताया कि आग पर सुबह 4:35 बजे तक काबू पा लिया गया था। इस हादसे में एक व्यक्ति की मौत हो गई और तीन अन्य घायल हो गए। आग काफी बड़े इलाके तक फैल चुकी थी। हादसे की वजह अभी स्पष्ट नहीं है। लेकिन, प्रारंभिक जांच में बिजली के तारों में शॉर्ट सर्किट की वजह से आग लगने की आशंका जताई जा रही है।

प्राप्त जानकारी के मुताबिक, हादसे में घायल चार लोगों को तुरंत सेंट जॉर्ज अस्पताल ले जाया गया। चिकित्सा अधिकारी के अनुसार, 15 वर्षीय यश विट्ठल की मौत हो गई है। 30 वर्षीय देवेंद्र चौधरी को गहन चिकित्सा इकाई (आईसीयू) में भर्ती किया गया है, जहां उनकी हालत गंभीर बनी हुई है। 13 वर्षीय विराज खोत और 25 वर्षीय संग्राम कुर्ने को भी अस्पताल में भर्ती किया गया है। उनकी हालत स्थिर है।

महाराष्ट्र में नमाज विवाद पर भड़के AIMIM नेता वारिस पठान, बोले- 'अपनी मानसिकता...'

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन नेता वारिस पठान ने महाराष्ट्र के शनिवार वाडा में मुस्लिम महिलाओं के नमाज पढ़ने का वीडियो सामने आने के बाद बढ़ते विवाद पर नाराजगी जताई. उन्होंने कहा कि किसी महिला के जुमे की नमाज तीन मिनट में पढ़ने और समय निकल जाने पर उस अमल को अमान्य ठहराना धार्मिक दृष्टि से गलत है. वारिस ने जुमे की नमाज को लेकर धर्म और संवैधानिक अधिकारों का हवाला दिया.

वारिस पठान ने कहा, 'भारत का संविधान अनुच्छेद 25 के तहत हर नागरिक को अपने धर्म का पालन और उसका प्रचार करने का अधिकार देता है.' उन्होंने सवाल उठाते हुए कहा कि जब संविधान इतनी स्पष्ट स्वतंत्रता देता है, तो फिर किसी के धार्मिक आचरण पर सवाल उठाना या रोक लगाना कहां तक उचित है.

धर्म और संवैधानिक अधिकारों पर बोले वारिस पठान

आईएएनएस मीडिया एजेंसी से बात करते हुए ध्छ्ध्र नेता वारिस पठान ने कहा, अगर किसी मुस्लिम महिला ने जुमे के दिन वक्त होने पर 3 मिनट की नमाज पढ़ ली तो कौन सा पहाड़ टूट गया. उन्होंने संविधान अनुच्छेद 25 में इजाजत देता है कि, इंसान को अपने-अपने धर्म की चीजें करने का अधिकार है. अगर नमाज पढ़ ली गई तो इसमें क्या बात है. वारिस पठान ने आगे कहा, हमारे हिंदु भाई-बहनें ट्रेनों में गरबा खेलते हैं, एयरपोर्ट पर गरबा खेला जाता है. इस पर हमने कभी अपत्ति नहीं

जताई सब अपना-अपना त्योहार मना रहे हैं.

शुद्धिकरण को लेकर बोले वारिस पठान

वहीं नमाज का विरोध कर रहे लोगों को लेकर उन्होंने कहा कि लोग शुद्धिकरण कर रहे हैं. अगर शुद्धिकरण करना है तो अपनी मानसिकता का करो, अपन दिमाग को करो और अपने दिल का शुद्धिकरण करो, जिसके अंदर नफरत भर गई है.

AIMIM नेता ने आगे बातचीत में कहा, बीजेपी के लोगों के द्वारा यह जो धर्मनिरपेक्षता और देश की गंगा-जमुनी तहजीब का सरासर कत्ल किया जा रहा है. जबसे यह लोग आए हैं, सिर्फ नफरत ही फैला रहे हैं. यह लोग देश को किस दिशा में लेकर चले जाएंगे.

उन्होंने आखिर में कहा कि, यह सब नहीं होना चाहिए. अगर कोई नमाज पढ़ रहा है. आप लोग इतना सब करते हो उस पर किसी को कोई अपत्ति नहीं होती तो यह क्यों किया जा रहा है. बता दें महाराष्ट्र के शनिवार वाडा में महिलाओं के नमाज पढ़ने को लेकर विवाद गरमाता जा रहा है.

दिवाली के बीच कांग्रेस का विरोध प्रदर्शन, केतन ठाकरे बोले- प्रशासन ने जनता का जीना मुश्किल कर दिया

नागपुर। देशभर में जहां एक ओर दिवाली का त्योहार मनाया जा रहा है। वहीं दूसरी ओर त्योहार के बावजूद नागपुर में बड़ी संख्या में कांग्रेस समर्थक लोगों ने प्रशासन के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया। इस मौके पर मौजूद महाराष्ट्र प्रदेश कांग्रेस समिति के महासचिव केतन ठाकरे ने कहा कि यह भीड़ बताती है कि नागपुर के लोग अब प्रशासन से तंग आ चुके हैं।

मामले में ठाकरे ने आरोप लगाया कि प्रशासन ने शहर की बुनियादी सुविधाएं पूरी तरह से बर्बाद कर दी हैं। पानी, सड़क, सफाई जैसी जरूरी सेवाओं की

हालत बेहद खराब है। साथ ही उन्होंने कहा कि गरीबों, बेरोजगारों और ठेले-फेरी वालों पर अनधिकृत कार्रवाई की जा रही है।

इस दौरान मीडिया से बात करते हुए महाराष्ट्र प्रदेश कांग्रेस समिति के महासचिव केतन ठाकरे ने ये भी कहा कि प्रशासन इन लोगों पर बिना वजह आपराधिक मामले दर्ज किए जा रहे हैं, जिससे वे डर और तनाव में जी रहे हैं। इसी के खिलाफ यह विरोध प्रदर्शन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में आम लोग, व्यापारी और मजदूर शामिल हुए। इसके साथ ही ठाकरे ने यह भी चेतावनी दी कि अगर प्रशासन ने आम जनता की समस्याओं पर ध्यान नहीं दिया तो कांग्रेस और भी बड़ा आंदोलन करेगी।

बृहन्मुंबई महानगरपालिका

ठोस अपशिष्ट प्रबंधन - परिवहन (शहर)
प्रथम तल, वर्ली गैराज बिल्डिंग, डॉ. ई. मोसेस रोड, वर्ली, मुंबई-18
क्रमांकः EET/C/8713/SWM दिनांक 20.10.2025

ई-निविदा सूचना

बृहन्मुंबई नगर निगम के आयुक्त निम्नलिखित ऑनलाइन निविदा आमंत्रित करते हैं:

कार्य का नाम	क्षेत्र	बयाना राशि जमा	जांच शुल्क	बोली प्रारंभ तिथि एवं समय	बोली समाप्ति तिथि एवं समय
नगर प्रभाग के विभिन्न वार्डों में अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई के लिए लाइसेंस विभाग के उपयोग हेतु बिना मजदूरों के अतिक्रमण वाहनों की किराये पर आपूर्ति। ई-टेंडर नं. 2025_MCGM_1233129_1 2025_MCGM_1233133_II	I	रु. 10,500/-	रु. 3,630/- + जीएसटी जैसा लागू हो	21.10.2025 11.00 AM	27.10.2025 04.00 PM
	II	रु. 10,300/-	रु. 3,630/- + जीएसटी जैसा लागू हो	21.10.2025 11.00 AM	27.10.2025 04.00 PM

निविदा की प्रति महाराष्ट्र सरकार (महाटेंडर्स) की ई-प्रोक्योरमेंट प्रणाली (http://mahatenders.gov.in) से डाउनलोड की जा सकती है, साथ ही निविदा की प्रति बीएमसी के पोर्टल https://portal.mcgm.gov.in के 'ई-टेंडर' अनुभाग से भी डाउनलोड की जा सकती है।

पीआरओ/1994/विज्ञा./2025-26
अधिशासी अभियंता परिवहन (शहर)

भोजन से पूर्व एवं शौच के बाद साबुन से हाथ स्वच्छ धोएं।

मध्य रेल
सोलापुर मंडल
जी.एस.यु.इलेक्ट्रिकल कार्य (जी)

मुख्य परियोजना प्रबंधक (गति शक्ति), सोलापुर, भारत के राष्ट्रपति के लिये और उनकी और से दिनांक को बजे तक निम्नलिखित कार्यों के लिये ईनिविदा आमंत्रित करते है। **ई-निविदा सूचना क्र. 07-2025-GSU Elect-G, दिनांक. 17.10.2025. कार्य का नाम:** विद्युत सामान्य सेवा कार्य: **(क)** पार्सल और गुड्स रोड से संबंधित सुविधाओं का प्रावधान (1) सोलापुरः सीजीएस कार्यालय और पार्सल कार्यालय का प्रावधान (ii) कलबुर्गी: पार्सल कार्यालय का प्रावधान (iii) कुर्डुवाड़ी: हमाल कक्ष और सीजीएस कार्यालय का प्रावधान (iv) वाडी: पार्सल कार्यालय और स्टोर रूम का प्रावधान (v) पंढरपुर: हमाल कक्ष का प्रावधान। **(ख)** वाडी: वाडी स्टेशन के प्लेटफार्म 1/2 और 3/4 का पुनर्निर्माण और अन्य सुधार कार्य। **अनुमानित लागत:** रु.1,70,95,922.48. **बयाना रक्कम:** रु.2,35,500/-. **समापन की अवधी:** 12 (बारह) महीने। **अनुरक्षण की अवधी:** स्थापना के चालू होने / अधिग्रहण की तारीख से 12 (बारह) महीने। **वेबसाइट ई निविदा फार्म जमा करने की अंतिम तरिख और समय:** 10.11.2025 up to 15.00 hrs. **वेबसाइट ई निविदा खोलने की तरिख और समय:** 10.11.2025 after 15.30 hrs. **वेबसाइट विवरण: www.ireps.gov.in** निविदाकारोंसे निवेदन हैं की कोई बदलाव / शुद्धिपत्र (यदि हो) के लिये Website: **www.ireps.gov.in** पर टेंडर बंद होने की तारीख तक समय समय पर भेंट दे।

मुख्य परियोजना प्रबंधक (गति शक्ति)
मध्य रेल, सोलापुर
DE/Sur-63

असुरक्षित तथा अनाधिकृत रूप से रेल लाइन के पास कार्य करना दंडनीय अपराध है

मध्य रेल
सोलापुर मंडल
इंजीनियरिंग कार्य

मंडल रेल प्रबंधक (कार्य) सोलापुर, भारत के राष्ट्रपति के लिये और उनकी और से निम्नलिखित कार्यों के लिये ई-निविदये आमंत्रित करते है। **क्र. सं.: 1. निविदा सूचना क्र.: 37-2025 SrDENC, दिनांक. 20.10.2025. कार्य का नाम:** Construction of quarter in lieu of old quarters at KWV (Type-III 04), MLM (type-II 04 units) under ADEN/KWV/ BG Sub Division. **अनुमानित लागत:** रु. 1,73,26,161.59. **बयाना रक्कम:** रु. 236600/-. **समापन की अवधी:** 06 Months. **अनुरक्षण की अवधी:** 24 Months. **क्र. सं.: 2. निविदा सूचना क्र.: 38-2025-S DENC, दिनांक. 20.10.2025. कार्य का नाम:** Construction of New quarters at LUR (Type-III 04), OSA (type-11 04 units) & DKY (Type-II 02 units) under ADEN/LUR. **अनुमानित लागत:** रु. 2,14,14,233.31. **बयाना रक्कम:** रु. 257100/-. **समापन की अवधी:** 06 Months. **अनुरक्षण की अवधी:** 24 Months. **क्र. सं.: 3. निविदा सूचना क्र.: 39-2025-SrDENC, दिनांक. 20.10.2025. कार्य का नाम:** Miscellaneous P.way Work Under SSE/ P.way/ MRJ under ADEN/PVR Sub-division for a period of two years. **अनुमानित लागत:** रु. 2,35,08,474.07. **बयाना रक्कम:** रु. 2,67,600/-. **समापन की अवधी:** 24 Months. **अनुरक्षण की अवधी:** NA. **www.ireps.gov.in इस वेब साईट पर टेंडर अपलोड करणे कि अंतिम दिनांक और समय:** 10.11.2025 को 15:00 बजे तक। **www.ireps.gov.in इस वेब साईट पर टेंडर खुलने का दिनांक और समय:** 10.11.2025 को 15.30 बजे। निविदाकारोंसे निवेदन हैं की कोई बदलाव / शुद्धिपत्र (यदि हो) के लिये Website: **www.ireps.gov.in.** पर टेंडर बंद होने की तारीख तक समय समय पर भेंट दे।

मंडल रेल प्रबंधक (कार्य)
मध्य रेल, सोलापुर
DE/Sur-64

असुरक्षित तथा अनाधिकृत रूप से रेल लाइन के पास कार्य करना दंडनीय अपराध है

महाराष्ट्र का 'विज़न डॉक्यूमेंट' विकसित भारत के सपने को साकार करेगा- मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस

विकसित महाराष्ट्र 2047 प्रारूप सलाहकार समिति की बैठक संपन्न

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

मुंबई। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने स्वतंत्रता के शताब्दी वर्ष यानी 2047 में एक विकसित भारत का सपना देखा है। सह्याद्रि अतिथि गृह में आयोजित विकसित महाराष्ट्र 2047 सलाहकार समिति की बैठक में मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने विश्वास व्यक्त किया कि महाराष्ट्र का 'विज़न डॉक्यूमेंट' इस सपने को साकार करने में निश्चित रूप से महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

इस बैठक में सलाहकार समिति ने विकसित महाराष्ट्र 2047 प्रारूप को मंजूरी दी। यह प्रारूप जल्द ही मंत्रिमंडल के समक्ष अनुमोदन के लिए रखा जाएगा। इस मसौदे में 2029, 2035 और 2047 तक तीन चरणों में विकसित महाराष्ट्र के लक्ष्य को प्राप्त करने का 'रोडमैप' दिया गया है।

बैठक में कौशल, रोजगार, उद्यमिता और नवाचार मंत्री मंगल प्रभात लोढ़ा, पर्यावरण मंत्री पंकजा मुंडे, मत्स्य पालन मंत्री नितेश राणे उपस्थित थे, जबकि स्कूली शिक्षा मंत्री दादाजी भुसे, लोक निर्माण मंत्री शिवेंद्रसिंह राजे भोसले ने वीडियो सिस्टम के माध्यम से बैठक में भाग लिया।

मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि

विकसित महाराष्ट्र का मसौदा एक ऐतिहासिक दस्तावेज़ है। भविष्य में कोई भी योजना और नीति बनाते समय इस मसौदे का उपयोग किया जाना चाहिए। यह 'दस्तावेज़' महाराष्ट्र को राज्यों के साथ नहीं, बल्कि दुनिया के साथ प्रतिस्पर्धा करने में सक्षम बनाएगा। इस पूरे मसौदे को वीडियो प्रारूप में भी परिवर्तित किया जाना चाहिए। जिससे नागरिक इसे आसानी से समझ सकें। अब से, एजेंसियों को अनुमोदन के लिए आने वाले प्रस्तावों पर कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित प्रस्तावों को स्वीकार करने की प्रणाली बनानी चाहिए। यदि प्रस्ताव में कमियाँ हैं, तो उन्हें आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के आधार पर दूर करने का प्रयास किया जाना चाहिए। यह एक ऐसी व्यवस्था होनी चाहिए जिससे समय की काफी बचत हो। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस पर आधारित प्रभावी कार्य करने के लिए एलएलएम (लार्ज लैंग्वेज मॉडल) बनाया जाना चाहिए। उद्योग विभाग साझेदारी के माध्यम से विभिन्न योजनाओं के लाभार्थियों की जानकारी के लिए 'क्लाउड कंप्यूटिंग' पर आधारित एक प्रणाली स्थापित करे। इसका उपयोग सभी एजेंसियों द्वारा किया जाएगा। मुख्यमंत्री फडणवीस ने यह भी आदेश दिया कि एक ऐसा सतत विकास मॉडल बनाया जाए जिससे भविष्य में राज्य को आगे ले जाने में कोई समस्या न आए।

मुख्यमंत्री ने इस मसौदे को बनाने के लिए नागरिकों द्वारा दिए गए सुझावों के लिए आभार व्यक्त किया और कहा कि इससे पता चलता है कि नागरिक राज्य के विकास के प्रति कितने जागरूक हैं। बैठक में मित्र संस्था के सीईओ प्रवीण परदेशी, अतिरिक्त मुख्य सचिव (लोक निर्माण) मनीषा म्हैसकर, अतिरिक्त मुख्य सचिव (वित्त) ओ.पी. गुप्ता, अतिरिक्त मुख्य सचिव (नगरीय विकास) असीम कुमार गुप्ता, अतिरिक्त मुख्य सचिव (परिवहन) संजय सेठी, अतिरिक्त मुख्य सचिव (कृषि) विकास चंद्र रस्तोगी आदि के साथ-साथ विभिन्न विभागों के प्रमुख सचिव और सचिव उपस्थित थे।

विकसित महाराष्ट्र के लिए नागरिकों की सहज प्रतिक्रिया

विकसित महाराष्ट्र 2047 के मसौदे के लिए राज्य में 19 जून, 2025 से 28 जुलाई, 2025 तक एक सर्वेक्षण किया गया। इसमें राज्य भर से चार लाख नागरिकों की प्रतिक्रियाएँ प्राप्त हुईं। इन प्रतिक्रियाओं में 35 हज़ार 'ऑडियो संदेश' शामिल थे। साथ ही, विकास संबंधी कई सुझाव भी मिले। इसी प्रकार, विभिन्न विभागों के विशिष्ट सर्वेक्षणों में सात लाख से अधिक नागरिकों ने भाग लिया।

'वैदिक संस्कार कनिष्ठ सहायक' पाठ्यक्रम के अंतर्गत तीर्थ क्षेत्र में सेवाओं हेतु प्रशिक्षित जनशक्ति

नासिक कुंभ मेले में श्रद्धालुओं की सेवा हेतु हजारों युवा कार्यरत होंगे

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

कौशल, रोजगार, उद्यमिता एवं नवाचार मंत्री मंगलप्रभात लोढ़ा ने बताया है कि आईटीआई में शुरू हो रहे अल्पकालिक पाठ्यक्रम 'वैदिक संस्कार कनिष्ठ सहायक' के माध्यम से तीर्थ क्षेत्र में प्रशिक्षित जनशक्ति उपलब्ध होगी और अगले वर्ष नासिक में आयोजित होने वाले कुंभ मेले में श्रद्धालुओं की सेवा हेतु हजारों प्रशिक्षित युवा कार्यरत होंगे। वे सह्याद्री अतिथि गृह में इस पाठ्यक्रम के विवरण के संबंध में पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे।

व्यावसायिक शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान (आईटीआई) द्वारा 'वैदिक संस्कार कनिष्ठ सहायक' नामक एक विशेष पाठ्यक्रम शुरू किया गया है, और इस पहल को राष्ट्रीय कौशल योग्यता ढाँचे (एनएसक्यूएफ) द्वारा अनुमोदित किया गया है। इस पाठ्यक्रम के अवसर पर तीर्थ क्षेत्र में प्रशिक्षित जनशक्ति उपलब्ध होगी। धार्मिक मेलों, यात्राओं और तीर्थस्थलों में कार्यरत युवाओं को इस पाठ्यक्रम के माध्यम से व्यावसायिक प्रशिक्षण दिया जाएगा। इस पाठ्यक्रम के माध्यम से प्रशिक्षित युवा श्रद्धालुओं का स्वागत करने, उनका मार्गदर्शन करने, स्वास्थ्य एवं स्वच्छता के प्रति जागरूकता पैदा करने तथा सामाजिक समरसता में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। साथ ही, मंत्री लोढ़ा ने बताया कि 2026-27 में नासिक में आयोजित होने वाले कुंभ मेले की पृष्ठभूमि में, यह अभिनव पहल लाखों श्रद्धालुओं की उपस्थिति में कुंभ मेले के श्रद्धालुओं को अनुशासित तरीके से सेवाएँ प्रदान करने में अत्यंत सहायक सिद्ध होगी।

उल्लेखनीय है कि 'वैदिक संस्कार कनिष्ठ सहायक' पाठ्यक्रम अल्पावधि पाठ्यक्रम कार्यक्रम के अंतर्गत नासिक जिले में संचालित किया जाएगा और इसका उद्देश्य कुंभ मेले में आने वाले श्रद्धालुओं के प्रबंधन, मार्गदर्शन और सेवा कार्यों के लिए प्रशिक्षित जनशक्ति तैयार करना है। कौशल विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों ने बताया कि ऐसे पाठ्यक्रम न केवल महाराष्ट्र में, बल्कि देश के विभिन्न भागों में भी संचालित किए जा रहे हैं।

राज्य का राजस्व विभाग देश में सर्वश्रेष्ठ होगा-राजस्व मंत्री चंद्रशेखर बावनकुले

राजस्व मंत्री ने योजनाओं और पहलों के क्रियान्वयन की सराहना की

मुंबई। राजस्व विभाग को और अधिक गतिशील, पारदर्शी और जनोन्मुखी बनाने के प्रयास किए जा रहे हैं। पिछले कुछ महीनों में कई जनहितकारी निर्णय लिए गए हैं। इस माध्यम से किए जा रहे कार्यों की पृष्ठभूमि में, राजस्व मंत्री चंद्रशेखर बावनकुले ने विश्वास व्यक्त किया कि आने वाले दिनों में राज्य का राजस्व विभाग देश में सर्वश्रेष्ठ होगा। उन्होंने दिवाली का त्यौहार मनाते हुए सामाजिक जागरूकता के साथ काम करने की भी अपील की ताकि आपदा पीड़ितों के घरों में भी खुशियों का दीप जले।

राजस्व मंत्री चंद्रशेखर बावनकुले ने विभाग के अधिकारियों और कर्मचारियों को दिवाली की शुभकामनाएँ दीं। साथ ही, उन्होंने मंत्रालय और क्षेत्रीय स्तर पर राजस्व विभाग के अधिकारियों और कर्मचारियों द्वारा किए गए शानदार काम के लिए पूरी व्यवस्था की सराहना की, साथ ही राजस्व आयुक्त कार्यालय और पंजीकरण महानिरीक्षक के अधीन पिछले कुछ महीनों में सेवा पखवाड़ा, रेत नीति, पणंद सड़कें, सभी के लिए घर, विखंडन, जीवित सातबारा, स्थानीय मुद्दे आदि क्षेत्रों में व्यवस्था की सराहना की। इस अवसर पर राजस्व विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव विकास खड़गे और मंत्रालय के अन्य अधिकारी उपस्थित थे। इस दौरान, वीडियो प्रणाली के माध्यम से राजस्व आयुक्त सुहास दिवास, पंजीकरण महानिरीक्षक रवींद्र बिनवाडे, सभी संभागीय आयुक्त, जिला कलेक्टर और अन्य क्षेत्रीय अधिकारी उपस्थित थे।

मंत्री बावनकुले ने निर्देश दिया कि रेत नीति के अनुसार नवंबर के अंत तक सभी रेत समूहों की नीलामी प्रक्रिया पूरी की जाए ताकि आम आदमी को रेत तुरंत उपलब्ध हो सके। उन्होंने यह भी कहा कि राहत और पुनर्वास विभाग के माध्यम से आपदा पीड़ितों को प्रदान की जाने वाली राहत राशि का उचित वितरण किया जाना चाहिए। उन्होंने व्यवस्था से अपील की कि वे नागरिकों के हित में आगामी वर्ष में राजस्व विभाग के अंतर्गत जिन नियमों और कानूनों में संशोधन की आवश्यकता है, उनके बारे में सुझाव दें। उन्होंने यह भी कहा कि विभाग में कई पदों पर पदोन्नति हो चुकी है और शेष पदों पर पदोन्नति की प्रक्रिया अगले तीन महीनों में पूरी कर ली जाएगी।

अपर मुख्य सचिव विकास खड़गे ने सभी क्षेत्रीय अधिकारियों को नागरिकों की रेत संबंधी आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए नवंबर तक सभी रेत समूहों की निविदा, कार्यादेश और नीलामी प्रक्रिया पूरी करने के निर्देश दिए। उन्होंने राजस्व विभाग की विश्वसनीयता बढ़ाने के लिए सरकारी आदेशों और नागरिकों के अभ्यावेदनों पर तत्काल कार्रवाई करने के भी निर्देश दिए।

स्वास्थ्य योजनाओं के एकीकरण हेतु 'वॉर रूम' स्थापित

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

राज्य में विभिन्न स्वास्थ्य योजनाओं के समन्वय, दोहरे लाभ से बचने और सभी स्वास्थ्य योजनाओं को एक ही छत के नीचे प्रभावी ढंग से लागू करने के लिए एक 'वॉर रूम' स्थापित किया जा रहा है। यह वॉर रूम मुख्यमंत्री राहत कोष और चैरिटेबल हॉस्पिटल हेल्प डेस्क की देखरेख में काम करेगा और इस सेल की स्थापना महाराष्ट्र इंस्टीट्यूशन फॉर ट्रांसफॉर्मेशन (मित्र) के सीईओ प्रवीण परदेशी की अध्यक्षता में की जाएगी।

इस पहल का उद्देश्य राज्य में विभिन्न स्वास्थ्य योजनाओं को सुव्यवस्थित, पारदर्शी और तत्काल सहायता प्रदान करना है। वर्तमान में, मुख्यमंत्री राहत कोष, महात्मा फुले जन आरोग्य योजना, आयुष्मान भारत योजना आदि जैसी अन्य योजनाएँ भी नागरिकों को मुफ्त या रियायती उपचार प्रदान करती हैं। हालाँकि, कुछ मामलों में, चूँकि एक ही मरीज़ द्वारा दो या अधिक योजनाओं का लाभ उठाए जाने की सूचना मिली है, इसलिए सरकारी धन की बर्बादी रोकने और योजनाओं को समन्वित तरीके से लागू करने के लिए यह वॉर रूम स्थापित किया जाएगा।

राज्य एवं केंद्र सरकार की सभी स्वास्थ्य योजनाओं की जानकारी, मार्गदर्शन एवं सहायता प्राप्त करने हेतु नागरिकों के लिए एक ही कॉमन टोल-फ्री नंबर - 1800 123 2211 उपलब्ध कराया गया है। इस नंबर से नागरिकों को तत्काल जानकारी, मार्गदर्शन एवं आवश्यक सहायता प्राप्त होगी। सभी आवेदनों, शंकाओं एवं शिकायतों का निवारण इस वॉर रूम के माध्यम से किया जाएगा, जिसका सीधा नियंत्रण मुख्यमंत्री सहायता कोष एवं धर्मार्थ अस्पताल हेल्प डेस्क द्वारा किया जाएगा।

केंद्र एवं राज्य सरकार की विभिन्न स्वास्थ्य योजनाओं के प्रभावी, त्वरित एवं पारदर्शी क्रियान्वयन तथा दोहरे लाभ एवं अपात्रता के मामलों से बचने के लिए मुख्यमंत्री सचिवालय में एक उच्च-स्तरीय समिति का गठन किया गया है। महाराष्ट्र परिवर्तन संस्थान (मित्र) के मुख्य कार्यकारी अधिकारी प्रवीण परदेशी इस 12 सदस्यीय समिति के अध्यक्ष हैं, जबकि सार्वजनिक स्वास्थ्य, चिकित्सा शिक्षा एवं औषधि, सामाजिक न्याय एवं विशेष सहायता, महिला एवं बाल विकास, श्रम, आदिवासी विकास, अल्पसंख्यक विकास, दिव्यांग कल्याण और विधि एवं न्याय विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव/प्रधान सचिव/सचिव तथा मुख्यमंत्री सहायता कोष एवं धर्मार्थ अस्पताल सहायता प्रकोष्ठ के प्रमुख सदस्य नियुक्त किए गए हैं। इसी प्रकार, मुख्यमंत्री सहायता कोष प्रकोष्ठ, मुख्यमंत्री सचिवालय के सहायक निदेशक सदस्य सचिव के रूप में शामिल हैं।

मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के निर्देश पर, केंद्र एवं राज्य सरकार की सभी स्वास्थ्य योजनाओं के एकीकरण और पारदर्शिता के माध्यम से जरूरतमंद मरीजों को मुफ्त या रियायती उपचार प्रदान करने के लिए नियमित प्रयास किए जा रहे हैं। इसीलिए यह 'वॉर रूम' स्थापित किया जा रहा है। मुख्यमंत्री राहत कोष एवं धर्मार्थ अस्पताल सहायता केंद्र के प्रमुख रामेश्वर नाइक ने कहा कि यह पहल निश्चित रूप से यह सुनिश्चित करने में उपयोगी होगी कि प्रत्येक नागरिक को उसकी पात्रता के अनुसार सही योजना का लाभ मिले और धनराशि वास्तविक लाभार्थियों तक पहुँचे।

राज ठाकरे का दावा- महाराष्ट्र में जोड़े गए 96 लाख फर्जी वोटर, सुधार तक चुनाव टालने की उठाई मांग

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

महाराष्ट्र में होने वाले निकाय चुनावों से पहले सियासत में गर्माहट तेज हो गई है। राजीनीतिक पार्टियों के बीच आरोप-प्रत्यारोप की राजनीति भी अपने तरम पर पहुंच गई है। इसी बीच महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) प्रमुख राज ठाकरे ने बड़ा दावा करते हुए चुनाव आयोग का घेराव किया है। उन्होंने दावा किया है कि महाराष्ट्र में होने वाले निकाय चुनावों से पहले करीब 96 लाख फर्जी वोटर वोटर लिस्ट में जोड़े गए हैं। उन्होंने इसे राज्य और देश के मतदाताओं का अपमान बताते हुए चुनाव आयोग से मांग की है कि जब तक वोटर लिस्ट की जांच और सफाई नहीं हो जाती, तब तक चुनाव न कराए जाएं।

राज ठाकरे ने ये बात रविवार को पार्टी कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कही। उन्होंने कहा कि हमारे पास विश्वसनीय जानकारी है कि 96 लाख फर्जी वोटर जोड़े गए हैं। सभी शाखा अध्यक्ष और ग्रुप प्रमुख घर-घर जाकर वोटर लिस्ट की जांच करें। जब तक यह साफ नहीं होता, तब तक चुनाव न हों।

राज ठाकरे के आरोपों के बाद मामले में विपक्षी दलों ने एकजुटता दिखाते

हुए आयोग पर निशाना साधा। शिवसेना (यूबीटी) के सांसद संजय राउत ने कहा कि जल्द ही पार्टी प्रमुख उद्धव ठाकरे, राज ठाकरे, शरद पवार और अन्य विपक्षी नेता मिलकर चुनाव आयोग के अधिकारियों से मुलाकात करेंगे और वोटर लिस्ट में गड़बड़ी का मुद्दा उठाएंगे।

राउत ने आरोप लगाया कि हर चुनाव में मैच फिक्सिंग की जा रही है। भाजपा चुनावों में गड़बड़ी करके जीत रही है। राउत ने कहा कि एक नवंबर को मुंबई में चुनाव आयोग के खिलाफ एक बड़ा मार्च निकाला जाएगा, जिसमें सभी विपक्षी नेता शामिल होंगे।

हालांकि इन आरोपों पर महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने भी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने इन आरोपों को खारिज करते हुए कहा कि शिवसेना चुनाव के लिए पूरी तरह तैयार है। हम 24 घंटे काम करते हैं। महायुति गठबंधन बड़े अंतर से जीत दर्ज करेगा।

गौरतलब है कि मतदाता सूची को लेकर जारी इन विवादों के बीच राहुल गांधी के द्वारा लगाए गए पुराने आरोप भी चर्चा में है। उन्होंने भी इस साल की शुरुआत में महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव (नवंबर 2024) को धांधली से भरा बताया था। उन्होंने आरोप लगाया था कि चुनाव से ठीक पांच महीने पहले जितने वोटर जोड़े गए, उतने पिछले पांच साल में भी नहीं जोड़े गए थे।

किसानों से बोले पूर्व मंत्री बच्चू कडू

'आत्महत्या की जगह विधायकों को मारें'.....

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

महाराष्ट्र के पूर्व मंत्री और प्रहार जनशक्ति पार्टी के प्रमुख बच्चू कडू ने विधायकों को लेकर बड़ा बयान दिया है जिससे हलचल मच गई. उन्होंने किसानों को अजीबोगरीब सलाह देते हुए कहा कि वो आत्महत्या करने के बजाय विधायकों को मारे. उन्होंने यह बात किसानों को उनकी फसल के उचित दाम न मिलने पर कही. जिसके बाद उनके बयान की पूरे राज्य में चर्चा हो रही है। लोग उनके इस बयान की जमकर आलोचना कर रहे हैं।

बच्चू कडू ने बुलढाणा जिले के पातुर्डा गांव में राज्यव्यापी किसान अधिकार सम्मेलन में किसानों से सीधे तौर पर कहा कि खुद आत्महत्या करने से अच्छा है कि आप एक विधायक का सिर काट दें. उन्होंने कहा कि अगर रोज़ाना 12 से 13 किसान आत्महत्या कर रहे हैं और सरकार नहीं जाग रही है, तो एक का सिर काटने में क्या दिक्कत है?। उन्होंने कहा कि फिर किसानों को आत्महत्या के बारे में सोचने की जरूरत नहीं पड़ेगी।

किसानों को संबोधित करते हुए जनशक्ति पार्टी के प्रमुख बच्चू कडू ने कहा कि किसानों को तीन हज़ार रुपये में सोयाबीन बेचना पड़ रहा है, एक भी खरीद केंद्र अभी तक खुला नहीं है, देवा भाऊ ने कहा था कि गारंटीड दाम पर 20ह बोनस देंगे, लेकिन गारंटीड दाम भी नहीं मिलेगा. उन्होंने कहा कि इतिहास गवाह है कि संभाजी महाराज की हत्या के लिए शिर्के अप्रत्यक्ष रूप से ज़िम्मेदार थे. उन्होंने कहा कि संभाजी राजे अंत तक किसानों के लिए लड़े.

वहीं प्रवीण दरेकर के बारे में बात करते हुए बच्चू कडू ने कहा 'प्रवीण दरेकर को मंत्री पद न मिलने के कारण इतनी बातें करनी पड़ रही हैं. उन्हें कोंकण जाकर किसानों की दुर्दशा देखनी चाहिए. वे पार्टी की गुलामी में जीने वाले लोग हैं'. उन्होंने कहा कि लोगों को ऐसे नेता के प्रति वफ़ादारी छोड़ देनी चाहिए, उनके लिए वो पार्टी-प्रेमी हैं। आम लोगों से उन्हें प्यार नहीं होता, दरेकर उनमें से एक हैं, वो पार्टी के प्रति वफ़ादार हैं।

इसके साथ ही नितेश राणे के बारे में बच्चू कडू ने कहा कि राणे यहां हिंदुत्व की बात करते हैं और राजस्थान जाकर वहां पूजा-अर्चना करते हैं. उन्होंने कहा कि राणे तबला बजाने वाले आदमी कडू ने कहा कि नितेश राणे को खेती करनी नहीं आती, उनके पास ज़मीन-जायदाद है और उनके पिता-दादा ने उन्हें पद दिया है, उन्हें किसानों की क्या क़द्र होगी।

'हाथ-पैर तोड़ देने की बात करना हिंदू धर्म नहीं'

वहीं भोपाल की पूर्व सांसद और बीजेपी नेता प्रज्ञा साध्वी के लव लिहाज वाले बयान को लेकर उन्होंने कहा 'कितनी भाजपाई लड़कियों ने मुसलमानों से शादी की है? लड़कियों को दोष देने के बजाय, उनके माता-पिता को भी दोष देना चाहिए'. उन्होंने कहा कि ऐसे बयान समाज में फूट डालने के लिए दिए जाते हैं. उन्होंने कहा कि हाथ-पैर तोड़ देने की बात करना हिंदू धर्म नहीं है, हिंदू धर्म ने यह नहीं सिखाया. उन्होंने कहा कि अगर कोई लड़की अपनी मर्ज़ी से जाती है, तो प्यार में रिश्ता होता है, प्यार अंधा होता है'.

कौन हैं बच्चू कडू

बच्चू कडू का पूरा नाम ओमप्रकाश बाबाराव कडू हैं. वो प्रहार जनशक्ति पार्टी के संस्थापक अध्यक्ष हैं. इस पार्टी की स्थापना 2019 में हुई थी. कडू विदर्भ क्षेत्र के अमरावती जिले की अचलपुर विधानसभा सीट से 2004 से 2019 तक 4 बार निर्दलीय उम्मीदवार के रूप में चुने गए। प्रहार जनशक्ति से 2019 के महाराष्ट्र चुनाव में 2 विधायक बच्चू कडू और मेलघाट से राजकुमार पटेल चुने गए थे । 022 में एकनाथ शिंदे सरकार में उनको राज्य मंत्री बनाया गया था।

लातूर में दर्दनाक हादसा, सड़क किनारे जा रहे युवक को कार ने रौंदा, CCTV में कैद हुई घटना

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

महाराष्ट्र के लातूर में हिट एंड रन केस से जुड़ी दर्दनाक घटना सामने आई है. यहां एक तेज रफ्तार कार ने सड़क किनारे जा रहे युवक को रौंद दिया. इतना ही नहीं कार चालक युवक को घसीटते हुए ले गया. इस घटना के बाद लोग सहम गए. मौके पर पहुंची पुलिस घटना की जांच में जुट गई है. घटना के बाद से लोगों में भारी गुस्सा है. हालांकि पुलिस ने अब तक कार मालिक के खिलाफ को मामला दर्ज नहीं किया है.

लातूर शहर से एक चौंकाने वाली घटना सामने आई है, जहां एक तेज रफ़्तार कार ने सड़क पर चल रहे एक युवक को टक्कर मार दी और उसे घसीटते हुए कई मीटर दूर तक ले गई. यह खौफनाक घटना कैमरे में कैद हो गई. इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है. वायरल वीडियो में देखा जा सकता है कि कैसे तेज रफ्तार कार चालक ने सड़क किनारे जा रहे युवक को रौंद दिया और उसके बाद कई मीटर तक घसीटते हुए ले गया। कार चालक की लापरवाही से हुई इस घटना ने लोगों में डर पैदा कर दिया

है. गनीमत रही कि युवक की जान बच गई, लेकिन घटना इतनी गंभीर है कि शहरवासियों में भारी गुस्सा है. लोगों का कहना है तेज रफ्तार और लापरवाही से गाड़ी चलाने वालों पर सख्त कार्रवाई होनी चाहिए. वहीं पुलिस ने कार मालिक के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की है. नागरिकों ने मांग की है कि आरोपी को जल्द से जल्द गिरफ्तार कर सख्त सजा दी जाए। पुलिस घटना की जांच में जुट गई है. सीसीटीवी फुटेज के जरिए कार चालक की पहचान कर आगे की कार्रवाई की बात कह रही है. वहीं इस घटना के बाद से लोगों में भारी गुस्सा है. लोगों ने आरोपी कार चालक के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है।

सम्पादकीय

नरक चतुर्दशी पर दीपदान से होता है आध्यात्मिक जागरण

दीवाली से पहले छोटी दीवाली आती है, इसे नरक चतुर्दशी और रूप चौदस भी कहा जाता है। साथ ही कार्तिक कृष्ण चतुर्दशी तिथि को नरक चतुर्दशी के नाम से भी जाना जाता है। नरक चतुर्दशी पर सुबह के मुहूर्त में अभ्यंग स्नान करने का विधान है, इस दिन स्नान व दीपदान से पाप मिटते हैं और सौभाग्य बढ़ता है तो आइए हम आपको नरक चतुर्दशी व्रत का महत्व एवं पूजा विधि के बारे में बताते हैं।

दीवाली से एक दिन पहले मनाई जाने वाली नरक चतुर्दशी को हिंदू धर्म में बहुत पवित्र और शुभ तिथि माना गया है। इसे रूप चौदस या छोटी दीवाली भी कहा जाता है। हिन्दू मान्यताओं के अनुसार इस दिन भगवान श्रीकृष्ण ने नरकासुर नामक राक्षस का वध किया था और उसके बंधन में फंसी 16 हजार महिलाओं को मुक्त कराया था। इस साल नरक चतुर्दशी 19 अक्टूबर को मनाई जाएगी। इसी कारण यह दिन अंधकार पर प्रकाश और बुराई पर अच्छाई की जीत का प्रतीक माना जाता है।

नरक चतुर्दशी का शुभ मुहूर्त

हिन्दू पंचांग के अनुसार, कार्तिक माह के कृष्ण पक्ष की चतुर्दशी तिथि 19 अक्टूबर 2025 को दोपहर 1 बजकर 51 मिनट से शुरू होगी और 20 अक्टूबर 2025 को दोपहर 3 बजकर 44 मिनट तक रहेगी। इस आधार पर नरक चतुर्दशी का पर्व 19 अक्टूबर (रविवार) को मनाया जाएगा, जबकि अभ्यंग स्नान का शुभ मुहूर्त 20 अक्टूबर (सोमवार) की सुबह रहेगा।

नरक चतुर्दशी का धार्मिक महत्व

धार्मिक मान्यताओं के अनुसार नरक चतुर्दशी पर स्नान करने से सभी पाप मिट जाते हैं और शरीर व मन शुद्ध होते हैं। इस दिन यमराज के लिए दीपदान करना बहुत शुभ माना जाता है। शाम के समय 14 दीए जलाने की परंपरा है। इनमें से एक सरसों के तेल का दीपक यमराज के नाम से जलाया जाता है, जबकि बाकी 13 दीपक घी के होते हैं। इससे अकाल मृत्यु का भय समाप्त होता है। नरक चतुर्दशी पर भगवान श्रीकृष्ण की पूजा करने से जीवन में सुख, समृद्धि और मानसिक शांति आती है। यह दिन न केवल शारीरिक शुद्धि का प्रतीक है बल्कि आध्यात्मिक जागरण का भी अवसर देता है।

सर्वार्थ सिद्धि योग में मनायी जाएगी नरक चतुर्दशी

नरक चतुर्दशी को पूरे दिन सर्वार्थ सिद्धि योग बना हुआ है। सर्वार्थ सिद्धि योग में किए गए कार्य सफल होते हैं और यह एक शुभ योग है। नरक चतुर्दशी पर अमृत सिद्धि योग शाम को 5 बजकर 49 मिनट से अगले दिन 20 अक्टूबर को सुबह 06 बजकर 25 मिनट तक है। उस दिन इंद्र योग भी प्रातःकाल से लेकर देर रात 02:05 ए एम तक है। उत्तराफाल्गुनी नक्षत्र प्रातःकाल से लेकर शाम 05 बजकर 49 मिनट तक है, उसके बाद से हस्त नक्षत्र है।

चौमुखी दीया जलाएं, मिलेगा लाभ

पंडितों के अनुसार नरक चतुर्दशी की रात मिट्टी का चौमुखी दीपक जलाना अत्यंत शुभ माना गया है। इसमें सरसों का तेल डालकर चार दिशाओं की ओर चार बत्तियां लगाई जाती हैं। इस दीपक को 'यम दीप' कहा जाता है, जो मृत्यु के देवता यमराज को समर्पित होता है। इसे घर के मुख्य द्वार के बाहर दक्षिण दिशा की ओर रखकर जलाया जाता है।

दीपक जलाते समय करें इन मंत्रों का जाप

'मृत्युना पाशदण्डाभ्यां कालेन च मया सह, या त्रयोदश्यां दीपदानात् सूर्यजः प्रीयतामिति?'

धार्मिक मान्यताओं के अनुसार घर के सबसे वरिष्ठ सदस्य को यह दीपक जलाना चाहिए और जलाने के बाद दीपक को पलटकर नहीं देखना चाहिए। उस उपाय से अकाल मृत्यु का भय समाप्त होता है और घर में सुख-शांति का वातावरण बना रहता है।

नरक चतुर्दशी पर करें मां काली की पूजा

नरक चतुर्दशी को काली चौदस भी कहा जाता है। इस दिन मां काली की पूजा करने से व्यक्ति को नकारात्मक ऊर्जा, भय और संकटों से मुक्ति मिलती है। पूजा के समय लाल गुड़हल के फूल अर्पित करें और 'ॐ क्रीं कालिकायै नमः' मंत्र का जप करें। यह साधना शत्रु नाश और सकारात्मक ऊर्जा प्राप्ति का माध्यम मानी जाती है।

नरक चतुर्दशी पर करें ये अचूक उपाय

1. दीपक- एक मिट्टी का चौमुखी दीपक लें। इसमें सरसों का तेल भरें और चार अलग-अलग दिशाओं की ओर मुख करके चार बत्तियां लगाएं।
2. सही समय पर जलाएं दीपक - यह दीपक शाम या रात के समय जलाया जाता है, जब घर के सभी सदस्य भोजन करके सोने की तैयारी कर रहे हों।
3. दीपदान की दिशा का भी है महत्व- दीपक को घर के बाहर मुख्य द्वार के पास दक्षिण दिशा की ओर मुख करके रखें। दक्षिण दिशा यमराज की मानी जाती है।

बारूद नहीं, दीप जलाएं, हरित दीपोत्सव की ओर कदम बढ़ाएं

योगेश कुमार गोयल

दीवाली, उजालों का त्योहार, खुशियों का स्वागत! लेकिन जब यही जश्न हमारी सांसों को घुटन से भर दे और हमारे वातावरण को जहर बना दे, तब सवाल उठना लाजिमी है कि क्या हम सच में रोशनी फैला रहे हैं या अंधकार को और गहरा कर रहे हैं। भारत में सदियों से दीयों की झिलमिलाती रोशनी और हल्की आतिशबाजी के साथ दीपोत्सव मनाने की परंपरा रही है। यह पर्व अच्छाई की विजय, प्रकाश की महिमा और सकारात्मक ऊर्जा का प्रतीक है परंतु पिछले कुछ दशकों में इसका स्वरूप इस कदर बदल गया है कि अब यह 'आतिशबाजी का युद्ध' प्रतीत होता है। वह उत्सव, जो कभी शांति और प्रकाश की अनुभूति देता था, आज शोर, धुएं और प्रदूषण का प्रतीक बन चुका है।

बारूद से लबालब पटाखों की चमक पलभर में न केवल जान-माल का खतरा पैदा करती है बल्कि वायु, ध्वनि और मिट्टी तीनों को गहराई से प्रदूषित करती है। इन पटाखों में बेरियम, सीसा, गंधक और कॉपर जैसे रासायनिक तत्व होते हैं, जो फूटने के बाद घंटों तक वातावरण में तैरते रहते हैं। बेरियम रेडियोधर्मी और विषैला होता है, कॉपर कैंसर का खतरा बढ़ाता है और गंधक श्वसन तंत्र को नष्ट करता है। सल्फर डाइऑक्साइड, नाइट्रोजन ऑक्साइड और कार्बन मोनोऑक्साइड जैसी जहरीली गैसें न केवल फेफड़ों और दिल पर असर डालती हैं बल्कि बच्चों और बुजुर्गों के लिए जानलेवा साबित होती हैं।

ध्वनि प्रदूषण भी किसी हथियार से कम

नहीं। कई जगहों पर पटाखों की आवाज 130 से 150 डेसीबल तक पहुंच जाती है, जो कानों की सीमा से कहीं ऊपर है। इसका सीधा असर नींद, तनाव, हृदय की गति और मानसिक स्वास्थ्य पर पड़ता है। यह केवल मनुष्यों को नहीं बल्कि पशु-पक्षियों और पालतू जानवरों को भी भयभीत कर देता है। कई शोध बताते हैं कि पटाखों की तीव्र ध्वनि पशुओं की सुनने की क्षमता को स्थायी नुकसान पहुंचाती है। प्रदूषण के इस असर ने पुरुषों के प्रजनन स्वास्थ्य को भी प्रभावित किया है। विशेषज्ञों के अनुसार, वायु प्रदूषण के कारण शुक्राणुओं की संख्या में 40 प्रतिशत तक गिरावट दर्ज की गई है।

जब हर दसवां भारतीय अस्थमा से जूझ रहा हो और हवा गर्भस्थ शिशु तक के लिए विष बन चुकी हो, तब एक रात की यह आतिशबाजी केवल असंवेदनशीलता का प्रतीक बन जाती है।

सुप्रीम कोर्ट ने इस गंभीर स्थिति पर हाल ही में एक ऐतिहासिक फैसला सुनाया है। अदालत ने स्पष्ट कहा कि प्रदूषण नियंत्रण केवल दिल्ली या एनसीआर की समस्या नहीं बल्कि पूरे देश का दायित्व है। इस वर्ष केवल एनईईआरआई द्वारा प्रमाणित 'हरित पटाखों' की अनुमति दी गई है, जिनमें बेरियम, सीसा या आर्सेनिक जैसे जहरीले रसायन नहीं होंगे। प्रत्येक पैकेट पर क्यूआर कोड अनिवार्य होगा ताकि नकली या विषैले पटाखों की बिक्री पर अंकुश लगाया जा सके। साथ ही, अदालत ने दीवाली पर पटाखे चलाने के लिए एक निश्चित समय तय किया है। ऑनलाइन बिक्री को पूरी तरह प्रतिबंधित किया गया है और आदेश उल्लंघन पर लाइसेंस रद्द करने व स्टॉक जब्त करने की चेतावनी दी गई है।

परंतु अदालत के आदेश तभी सार्थक होंगे, जब नागरिक अपने हिस्से की जिम्मेदारी निभाएं। पर्यावरण संरक्षण केवल कानून का नहीं, चेतना का विषय है। जब तक लोग स्वयं संवेदनशील नहीं होंगे, कोई भी नीति या न्यायालय पृथ्वी को नहीं बचा सकते। दीवाली की असली सुंदरता पटाखों के धमाकों में नहीं, दीयों की रोशनी में है, वह रोशनी, जो हमारे घर, मन और समाज को प्रकाशित करती है। आज यह पर्व, जो कभी स्वच्छता और सादगी का प्रतीक था, अब कचरे और धुएं में डूबता जा रहा है। यह कैसी दीवाली है, जो हमारी सांसें छीन लेती है?

अब समय है कि हम अपनी परंपराओं को आधुनिक विवेक से जोड़ें। यदि आतिशबाजी करनी ही है तो केवल हरित पटाखों का सीमित प्रयोग करें। अपने घरों और गलियों को दीयों की रोशनी से सजाएं, एक-एक पौधा लगाएं और बच्चों को सिखाएं कि असली उजाला वही है, जो जीवन को बचाए, न कि उसे धुएं में डुबो दे। दुनिया के कई देशों में त्योहारों के साथ पर्यावरणीय जिम्मेदारी जुड़ी होती है। ऑस्ट्रेलिया में दिसंबर में एक उत्सव पर हर परिवार आतिशबाजी के साथ एक पौधा भी लगाता है, यह छोटी-सी परंपरा गहरे संदेश देती है। भारत भी ऐसा कर सकता है, जहां उत्सव और पर्यावरण का संतुलन साथ चले।

आज जब दिल्ली सहित देश के कई अन्य शहरों की हवा पहले से ही जहरीली हो चुकी है, हमें यह स्वीकार करना होगा कि एक रात का आनंद आने वाली पीढ़ियों के भविष्य से बड़ा नहीं हो सकता। हमें अपने बच्चों को ऐसी दीवाली देनी है, जो सिर्फ आंखों को नहीं, दिलों को भी उजाला दे। दीवाली दीयों की हो, धमाकों की नहीं क्योंकि असली रोशनी वही है, जो प्रकाश के साथ करुणा और जिम्मेदारी का संदेश फैलाती है।

दीपावली- सनातन धर्म-संस्कृति व परंपराओं का गौरवशाली पर्व

दीपक कुमार त्यागी

विश्व के सबसे प्राचीन सनातन धर्म, संस्कृति की विविध प्रकार की परंपराओं के अनुसार हम सभी सनातनियों के जीवन में त्योहारों का विशेष स्थान है। हम सनातनियों के यहां पर त्योहारों की एक पूरी लंबी श्रृंखला मनायी जाती है, हर माह कोई ना कोई त्योहार हम सबकी झोलियों को खुशियों से भरने का काम करता है, इन त्योहारों के दम पर अगर हम भारत को त्योहारों की अद्भुत संस्कृति के महाकुंभ से संपन्न देश कहें तो यह कहना भी गलत नहीं होगा, क्योंकि हमारे प्यारे देश में वर्ष भर तिथि व वार के अनुसार आयेदिन कोई न कोई पर्व या उत्सव लगातार चलते ही रहते है। हालांकि कुछ उत्सव केवल देश के किसी क्षेत्र विशेष में मनाए जाते हैं तो कुछ उत्सव सम्पूर्ण देश में अलग-अलग नाम व तौर-तरीकों से मनाये जाते हैं। वैसे भी विश्व के सबसे प्राचीन सनातन धर्म की गौरवशाली परंपराओं के अनुसार शायद ही कोई माह या ?तु ऐसी होगी, जिसमें हम लोग कोई त्योहार ना मनाये, यही हमारी संस्कृति का गौरवशाली इतिहास व आज रहा है। वैसे भी देखा जाए तो त्योहार या उत्सव के महत्वपूर्ण अवसर हमारे जीवन में एक नया उत्साह संचार करने के बेहद आवश्यक कारक बनते हैं, पर्व या उत्सव जीवन पथ में आपसी भाईचारा, प्यार-मौहब्बत, खुशी और हर्षोल्लास का एक अद्भुत नया पुट लाते हैं।

वैसे तो हम भारतीय अपनी मान्यताओं व परम्पराओं के अनुसार रोज ही सर्वशक्तिमान ईश्वर की आराधना करते रहते हैं, लेकिन प्रभु की अर्चना के सभी उत्सवों में दीपावली का अपना एक अहम ही स्थान है, जितने भी त्योहार हैं, उनमें दीपावली सर्वाधिक आम लोगों से लेकर के खास लोगों तक के बीच में बहुत ही ज्यादा लोकप्रिय है। क्योंकि

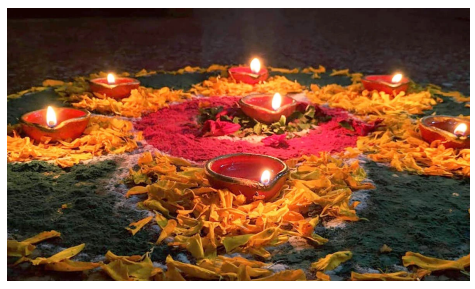

यह त्योहार जन-जन के मन में हर्षोल्लास पैदा करने वाला दिव्य पर्व है। सनातन धर्म में प्रार्थना की जाती है कि- 'तमसो मा ज्योतिर्गमयः' अर्थात अंधकार से प्रकाश में ले जाने वाला, दीपावली वही पावन पर्व है जो जीवन में एक नई राह दिखाता है। दीपावली के पावन पर्व की इस श्रृंखला पर हम धन्वंतरि, यमदेवता, माँ लक्ष्मी, भगवान गणेश, माँ काली, भगवान श्रीराम, गोवर्धन, भगवान कृष्ण आदि की विशेष प्रकार से पूजा करते हैं। लेकिन अधिकांश लोग माता लक्ष्मी व भगवान गणेश की विशेष पूजा अवश्य करते हैं। वैसे भी अधिकांश लोगों का मानना हैं कि आज के व्यवसायिक समय में माता लक्ष्मी की कृपा के बिना किसी भी प्रकार के भौतिक व सांसारिक कार्यों का होना अब असंभव हो गया है, इसलिए इनकों हमेशा प्रसन्न रखना है। दीपावली पर हम उस कृपालु परम पिता परमेश्वर की विशेष आराधना करते है। उसके बाद दीपक व विभिन्न प्रकार की आधुनिक व प्राचीन दीपमालाओं की झिलमिलाती मनमोहक रोशनी को देखकर अपने जीवन को सकारात्मक उर्जा से भरने का कार्य करते हैं। बच्चे, बड़े व बुजुर्ग सभी इस पावन पर्व पर जमकर पटाखे चलाकर व एक दूसरे को उपहार देकर खुशियाँ मनाते हैं। जीवन में इन ढ़ेरों खुशियों की जगमग-जगमग करती दीपमाला को लाने का पावन पर्व ही दीपावली है।

दीपावली का पर्व हर वर्ष शरद ऋतू की शुरुआत में आता है। यह पावन त्योहार भारतीय संस्कृति का प्रमुख पर्व है और इसको प्रतिवर्ष पवित्र कार्तिक मास की अमावस्या को बहुत ही जोशोखरोश के साथ देश व विदेशों तक में मनाया जाता है। दीपावली सनातन धर्म की गौरवशाली परंपराओं के अनुसार हिंदुओं का सबसे पवित्र और सबसे बड़ा पावन पर्व माना जाता है। हमारी धार्मिक व सांस्कृतिक मान्यताओं के अनुसार दीपावली मनाने की कई कथाएं प्रचलित हैं। लेकिन दीपावली के दिन लंका युद्ध में रावण का वध करके, भगवान श्रीराम, माता सीता और लक्ष्मण के साथ अयोध्या नगरी वापस आए थे, तब अयोध्या के सभी वासियों ने भगवान श्रीराम के वापस आने की खुशी में अयोध्या को साफ-सुथरा करके दीपों से, फूलो से, जगह-जगह रंगोली बनाकर, पूरी अयोध्या नगरी को दुल्हन की तरह सज़ा दिया था। तब से लेकर आज तक दीपावली मनाने की यह पावन गौरवशाली परंपरा लगातार चली आ रही है। इस दिन हम सभी कार्तिक मास की अमावस्या के गहन अन्धकार को दूर करने के लिए दीपों को प्रज्वलित करके अपने-अपने घर-आंगन, गांव-शहर ओर हर जगह को टिमटिमाती हुई जगमग-जगमग करने वाली दीपावली के दियों की रोशनी से जगमगा देते हैं। जो इस त्योहार की अनोखी छटा को चार चाँद लगाते हुए भव्यता व दिव्यता देता है। इस पर्व पर आजकल हम लोग माता लक्ष्मी-गणेश पूजन करने के बाद, अपने मित्रों, पड़ोसियों व रिश्तेदार व नातेदारों के यहाँ जाकर मिठाई व उपहार आदि देते हैं। इस त्योहार में एक ऐसी दिव्य शक्ति है कि वह हम लोगों में आपसी प्यार, सौहार्द के साथ परिवार की तरह रहने के लिए प्रेरित करती है तथा यह त्योहार हम सभी के जीवन में एक नई सकारात्मक उर्जा का संचार कर देता है। इस त्योहार को हम लोग दीपावली या आम-बोलचाल की भाषा में दीवाली के नाम से भी पुकारते हैं।

दीपावली हम सभी के जीवन में खुशियों के नये रंग भरने वाला बहुत ही शानदार त्योहार है। जो देश व समाज में हर तरफ प्रकाश की नवज्योति फैलाते हुए लोगों के जीवन को हर्षोल्लास, आनंद से परिपूर्ण कर देता है।

सनातन धर्म व भारतीय संस्कृति को मानने वाले व्यक्ति के जीवन में दीपावली का एक बहुत बड़ा महत्व होता हैं। शास्त्रों के अनुसार यह त्योहार व्यक्ति के जीवन को 'अंधेरे से ज्योति' अर्थात प्रकाश की ओर लेकर जाता है। इस त्योहार पर प्रत्येक सनातनी मनुष्य अपने जीवन के गम के अंधेरों को भुलाकर, जीवन को एक नये उजाले की ओर ले जाने का ठोस प्रयास करता है। मेरा मानना हैं कि आज के भागदौड़ भरे आपा-धापी वाले इस व्यवसायिक दौर में सही में दीपावली वह है जब व्यक्ति अपने मन के अंधेरों को प्रण लेकर स्थाई रूप से खत्म करके, जीवन में प्रकाशमयी सकारात्मक उर्जा के साथ लोगों के साथ मिलजुलकर प्यार मोहब्बत से जीवन की अद्भुत लीलाओं भरपूर आनंद ले। तब ही जीवन में प्रकाश व खुशियों की दीपमाला को झिलमिलाने वाले पावन पर्व दीपावली के त्योहार का असली उद्देश्य पूर्ण होता है। मैं दीपावली के पावन पर्व की इस श्रृंखला पर सभी देशवासियों को बहुत-बहुत हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं देता हूं और सर्वशक्तिमान ईश्वर से प्रार्थना करता हूं कि वह हम सभी देशवासियों की सभी मनोकामनाएं पूर्ण करें।

राष्ट्र के स्व की झंकारः दीपावली के जनजातीय रंग

कृष्णमुरारी त्रिपाठी अटल

भारतीय धर्म एवं दर्शन में कार्तिक मास की अमावस्या का विशेष महत्व है। क्योंकि यह तिथि हमारी सांस्कृतिक चैतन्यता की अमरता का नाद लिए हुए है। 'असतो मा सद्मय तमसो मा ज्योतिर्गमय' की परंपरा को मानने वाला भारतीय समाज अपनी उत्सवधर्मिता के लिए जाना जाता है। राष्ट्र की यही परंपरा 'अप्प दीपो भव' का संदेश देती है। कार्तिक मास की अमावस्या तिथि को मनाया जाने वाला दीपावली पर्व– जो अंधकार से प्रकाश की ओर समूचे समाज का पथ प्रशस्त करता है। धार्मिक महत्व के रूप में दीपावली का पर्व भगवान राम के 14 वर्ष के वनवास पूरा करने के बाद उनके अयोध्या आने की प्रसन्नता में मनाया गया था। जब समूची अयोध्या माता सीता, अपने राम-लक्ष्मण और उनके समस्त अनुचरों को पाकर प्रफुल्लित हो गई थी। द्वार-द्वार बंदनवार बांधे गए। पूरी अयोध्या दीपों से जगमगा उठी थी। इस प्रकार त्रेतायुग से दीपावली की परंपरा भारतीय जीवन में रच बस गई। मूल्यों, आदर्शों, धर्म-कर्म, अध्यात्म की उत्सवधर्मिता के साथ अभिव्यक्ति का श्रेष्ठ उदाहरण बन गई। दीपावली केवल हमारे जीवन के तिमिर का ही हरण नहीं करती बल्कि धन-धान्य की समृद्धि देती है। हमारे ये त्योहार सामाजिक समरसता, एकजुटता के प्रकटीकरण का महान संदेश लिए होते हैं। भारत के कोने-कोने में माटी के दीये जगमगाते हैं। हर घर में खुशियों की चहक सुनाई देती है। हर कोई उत्सव के रंग में डूबा भक्ति के साथ एकाकार होता दिखाई देती है। घर से लेकर अपने गांव और देवालयों में हर कोई दीप-दान करता है। अपने कुलदेवी- देवता, ग्राम देवता, स्थान देवता के समक्ष दीप प्रज्जवलित कर सुख-शांति और समृद्धि की प्रार्थना करता है। समाज के हर वर्ग के लोग एक दूसरे से मिलते जुलते हैं। प्रसाद बांटते हैं। एक-दूसरे को पान खिलाते हैं। यानी दीपावली के त्योहार में हर प्रकार के बंटवारे तिरोहित हो जाते हैं। बस दिखाई देती है तो चहुंओर समरसता की मनभावन छटा। यही हमारा वैशिष्ट्य है जो हमें एक माला में पिरोए हुए है।

इसी प्रकार दीपावली की उत्सवधर्मिता को लेकर जब हम जनजातीय समाज की परंपराओं को देखते हैं। तो जनजातीय समाज के बंधु-बांधवों में दीपावली की विशिष्ट महत्ता दिखाई देती है। भील-भिलाला जनजाति समाज में दीपावली को लेकर विशेष तैयारियां की जाती हैं। भील-भिलाला समाज में दो बार दीपावली मनाई जाती है।पहली दीपावली कार्तिक मास की धनतेरस से अमावस?या तक और दूसरी 'पछलि दीपावली'– कार्तिक मास शुक?ल पक्ष की तेरस से पूर्णिमा तक मनाई जाती हैं। वैसे भील-भिलाला समाज में कार्तिक मास की कृष्ण त्रयोदशी से दीपावली मनाई जाने लगती है। इसके लिए दीपावली से कुछ दिन पहले लोग अपने-अपने घरों को गोबर और मिट्टी से लीपते (रंगते) हैं। इसके बाद अमावस्या के दिन प्रातः देवी लक्ष्मी और नए अनाज का पूजन करते हैं। फिर पूरे दिन उत्सव में डूबे आतिशबाजी करते हैं। दीपावली की शाम को दरवाजे, अनाज की कोठरी, गोहाल और रसोई घर सहित आस्था के विभिन्न स्थानों पर दीप जलाकर रखते हैं। इसके साथ ही भील समाज में अमावस्या की तिथि को तंत्र-मंत्र को लेकर भी विशेष मान्यता है। ऐसा माना जाता है कि इस तिथि को तंत्र-मंत्र और जाप से विशेष सफलता मिलती है। इसी के निमित्त भील समाज मे काली चौदस और अमावस्या की रात्रि को बड़वा (पुजारी/तांत्रिक) और उनके शिष्य तांत्रिक सिद्धियाँ करते हैं।

कोरकू जनजाति की अनूठी परंपराएं :

इसी प्रकार कोरकू जनजाति में भी दीपावली प्रकृति के साथ एकात्म और साहचर्यता के बोध को प्रकट करती है। कोरकू समाज में 'दीवा दावी' की परंपरा उल्लास पूर्वक निभाई जाती है।

'दीवा दावी' अर्थात् मिट्टी के दीपक जलाकर गऊ (गाय) की आरती उतारी जाती है। अब सोचिए न! कितना अच्छा दर्शन है न ये? जब हमारा समाज अपनी आस्था के मानबिंदुओं के प्रति इस प्रकार श्रद्धा प्रकट करता है। इसी प्रकार भारतीय समाज कैसे प्रकृति के साथ तादात्म्य स्थापित करता है। उसका उदाहरण भी कोरकू समाज में दीपावली को उत्सव के तौर पर दिखाई देता है। कोरकू समाज के लोग पशुओं के खुरों में होने वाली बीमारी से बचाव के लिए गाय-बैल और ग्वाल देव की पूजा करते हैं। पड़वा (अमावस्या) के दिन हनुमान मंदिर में दर्शन के लिए जाते हैं। हनुमानजी महाराज से सुख-समृद्धि की कामना करते हैं। इसके बाद रात्रि में 'भूगड़ू' पर विभिन्न लोक धुनें बजाकर नृत्य करते हैं। उत्साह के साथ अपनी परंपराओं में भाव विभोर होकर आनंद मगन हो जाते हैं। 'भूगड़ू' बाँसुरी जैसा लगभग चार फीट लंबा वाद्य यंत्र होता है जिसे फूँककर बजाए जाता है। तत्पश्चात दूसरे दिन सूर्योदय से पहले पशुओं के शरीर पर हाथों से विभिन्न रंगों के छाप लगाते हैं। इसके साथ ही कोरकू समाज में दीपावली के दिन 'दौगुन गुरु' और 'अनाज' की पूजा की जाती है। साथ ही अमावस्या की रात्रि को ही मंत्र सिद्धि की जाती है और गुरु मंत्र लिया जाता है। इस दौरान औषधियों को मंत्रसिद्धि के माध्यम से जगाया जाता है। दीपावली के दिन ही व्रती मुखिया संध्या के समय घर में आटा का चौका पूरते (बनाते) हैं। गेरु (गेर) से पोते हुए बाँस की टोकनी (टोकरी) में चावल, फूल रखकर घी का दीपक जलाया जाता है। इसके अतिरिक्त कुलदेवी, दौगुन गुरु और पूर्वजों के लिए दीपदान किया जाता है। इसी प्रकार शेष समाज की भांति ही गोंड समाज के लोग भी घर के विभिन्न हिस्सों में दीपक जलाते हैं। पशुधन की सुरक्षा के लिए उनके शरीर पर गेरू (गेर) लगाया जाता है। गोंड जनजाति में प्रायः यह मान्यता है कि – पृथ्वी पर अमावस्या की तिथि को ही अन्न और लक्ष्मी (गाय) आए थे। साथ ही दौगुन गुरु पूजन से ही दीपावली का जन्म हुआ है। दीपावली के पश्चात अगले दिन लक्ष्मी/गोवर्धन की पूजा करने की परंपरा भी गोंड समाज में अपने विविध उत्सवी रंगों में दिखाई देती है।

उत्सव में जीवन दर्शन कराता भारिया समाज :

इसी प्रकार भारिया जनजाति समुदाय में दीपावली का उत्सव अपने विविधवर्णी रुप में दिखाई देता है। दीपावली के दिन भारिया समाज के लोग मिट्टी और आटे से बने पाँच दीपक जलाकर माता लक्ष्मी और धन की पूजा करते हैं। अहिराई झूमर पहनकर प्रत्येक घर को एक दीप– दान करते हैं। इसके बदले में उन्हें हर घर से नेग (उपहार) मिलता है। अगले दिन प्रातः बेला में भारिया समाज में खिचड़ी-तिल्ली खाने की परंपरा है। दीपावली का ये उत्सव भारिया समाज में कई दिनों तक चलता है। दीपावली के तीसरे दिन आँगन में गाय के गोबर से गोवर्धन बनाए जाते हैं। उनकी पूजा की जाती है। इस दौरान महिलाएँ गोवर्धन गीत गाती हुई लोक-मंगल की कामना करती हैं। साथ ही भारिया समाज में भी पशुधन की रक्षा के लिए पशुओं के शरीर पर गेरू (गेर) लेपन किया जाता है। इतना ही नहीं भारिया समाज के बच्चे दोहरा गीत गाकर प्रत्येक घर में जाकर गोंदा फूल या झूमर देते हैं। दोहरा गीत के कुछ बोल इस प्रकार हैं –

ऊँचो उसारी, ओ ऊँचो राहुल, तुम्हारों रे नाव।
नावन सुन-सुन हम आये दादी, दरसन दइयो बनाय रे
उई-ई.....
कट-कट तेरी टकिया बाजी रे, धुकुर फुकर जीव होय।
खोल बड़ी बहू की बटुआ रे, अहिरा को कर दे दान रे।
उई-ई.....'

इसी प्रकार कोल जनजातीय समाज में भी दीपावली को बड़े ही उत्साह के साथ मनाया जाता है। वहीं छत्तीसगढ़ में दीपावली के दौरान 'सुरहुत्ती' मनाए जाने की परंपरा है। सुरहुत्ती में दीपावली की रात को बच्चे थालों में दीपक जलाए हुए अपने-अपने घरों से निकलते हैं। फिर वो जहां-जहां, जिन-जिन घरों में पहुंच सकते हैं। वहां-वहां जाते हैं और उन घरों के 'तुलसी चौरे' (तुलसी के चबूतरे) में एक दीप रख आते हैं।

इस प्रकार हम देखते हैं कि दीपावली का पर्व संपूर्ण भारत वर्ष में बड़े ही हर्षोल्लास के साथ मनाया जाता है। यह पर्व न केवल हमारी आध्यात्मिक चेतना को आलोकित करता है बल्कि हमारे जीवन में 'समरसता' की बयार बहाता है। दीप की ज्योति के साथ हर व्यक्ति लोक-मंगल की प्रार्थना करता है। अपने आराध्य देवी-देवताओं और प्रकृति के प्रति दीपदान के माध्यम से कृतज्ञता व्यक्त करता है। गीत और नृत्य, आतिशबाजी के साथ उत्सव का आनंद मनाता है। वहीं दीपावली के बाद गाय के गोबर से गोवर्धन बनाए जाते हैं। उनकी पूजा की जाती है। हर घर में गोवर्धन को भोग लगाने के बाद ही लोग भोजन ग्रहण करते हैं। गाय और गौवंश को अच्छा भोजन बनाकर खिलाया जाता है। इस प्रकार भारतीय संस्कृति अपनी परंपराओं के माध्यम से सभी के प्रति आत्मीयता और कृतज्ञता के भावों को बारंबार प्रकट करती है। दीपावली का पर्व जिस प्रकार नगरों, महानगरों, गांवों में मनाया जाता है। ठीक उसी प्रकार से वनांचलों में रहने वाले हमारे जनजातीय बंधु-बांधव भी बड़ी श्रद्धा के साथ दीपावली मनाते हैं। प्रकृति और जीव प्रेम के दर्शन अपनी विविध परंपराओं के माध्यम से प्रकट करते हैं। अभिप्रायतः हमारे सभी पर्व, त्योहार और उत्सव – आत्म से तो साक्षात्कार कराते ही हैं। साथ ही हमें जीवन के वास्तविक अर्थों का बारंबार बोध प्रदान कराते हैं। दीपावली, गोवर्धन पूजा जैसे त्योहार हमें ये बताते हैं कि– जीवन के किसी भी क्षेत्र में अंधियारा न रहे। समूचा समाज एकजुट हो। आत्मीयता और बंधुता के साथ एक-दूसरे से जुड़ा रहे। सुख-दुख का साझीदार बने। सबको अपनाए और एकता की बांसुरी बजाता हुआ उन्नति के पथ पर बढ़ता जाए। जहां अभाव और पीड़ा रुपी अंधेरा है उसे दूर करने के लिए सबकोई प्रतिबद्ध हों। अपने बंधुओं के सहायतार्थ आगे आएं। सबके जीवन में खुशियों के दीप जलाएं। यही सत्य की जीत का संदेश है। यही सच्चे अर्थों में दीपावली का मूलमंत्र है।

सीएम योगी बोलेः समाज और राष्ट्र को तोड़ने वालों से रहना होगा सावधान, अयोध्या में संतों संग किया अल्पाहार

लखनऊ। सीएम योगी आदित्यनाथ सोमवार को कारसेवकपुरम पहुंचे। यहां उन्होंने संतों के साथ बैठक की। चर्चा के पश्चात सीएम योगी ने संतों के साथ अल्पाहार ग्रहण किया। सीएम ने संतों का सम्मान भी किया। इसके बाद कारसेवकपुरम की गौशाला में गायों को गुड़, चना और केला खिलाया। कारसेवकपुरम में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने दीपावली मिलन कार्यक्रम को संबोधित किया।

समाज के हर तबके को जोड़ना होगा

सीएम योगी ने कहा कि अक्सर ऐसा होता है कि जब कोई उपलब्धि हमारे सामने आ जाती है तो हम निश्चिंत होकर सोते हैं, तभी हमारे साथ धोखा होता है। यह समय सोने का नहीं है। उन्होंने समाज को चेताते हुए कहा कि समाज तोड़क और राष्ट्र तोड़क तत्वों से सावधान रहना होगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि श्री राम जन्मभूमि आंदोलन के दौरान और अब जब अयोध्या में श्री रामलला विराजमान हैं, तब हमारा दायित्व और अधिक बढ़ गया है। हमें समाज के एक-एक तबके को जोड़ना होगा।

अंतिम पायदान पर बैठे हुए व्यक्ति को भी गले लगाकर खुशी के साथ जोड़ें

सीएम योगी ने कहा कि त्योहार का उत्साह तभी सार्थक होता है, जब

समाज के हर तबके को अपनी खुशी में शामिल किया जाए। उन्होंने कहा, त्योहार का उत्साह तभी है, जब हम अपनी खुशी के साथ समाज के हर तबके को और अंतिम पायदान पर बैठे हुए व्यक्ति को गले लगाकर खुशी के साथ जोड़ सकें। उन्होंने बताया कि राम जन्मभूमि और हनुमानगढ़ी दर्शन के उपरांत जब वे आगे बढ़े तो उन्हें अयोध्या धाम की स्वच्छता के नए मानक गढ़ने वालों के बीच पहुंचने का अवसर प्राप्त हुआ। इसके बाद वे उन लोगों की बस्ती में पहुंचे, जो जीवन भर लोगों को नदी पार करवाते हैं। सीएम योगी बोले, निषाद बस्ती में जाकर मुझे मिष्ठान वितरण का अवसर प्राप्त हुआ। भगवान श्रीराम ने भी तो यही किया था। उन्होंने निषाद राज को गले लगाया था, शबरी के जूठे बेर खाकर कृतज्ञता ज्ञापित की थी। भगवान राम का इंतजार कर रही शबरी प्रभु का दर्शन करके अभिभूत थी। मुख्यमंत्री ने कहा कि यदि आज हम समाज को जोड़ने का कार्य करेंगे तो रामराज्य को आने से कोई ताकत रोक नहीं सकती। यह आत्मनिर्भर भारत की संकल्पना और रामराज्य की अवधारणा को साकार करेगा।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने उपस्थित संत समाज से दीपावली पर विशेष आग्रह किया। उन्होंने कहा, जहां अभाव है, वहां अपने आशीर्वाद से इस कमी को पूरा करिए। दीपावली का मिष्ठान वहां तक पहुंचाने में योगदान जरूर दें। सीएम योगी ने पूरे प्रदेशवासियों को दीपावली की मंगलमय शुभकामनाएं दीं और कहा कि दीपावली का पर्व केवल घरों तक सीमित न रहे, बल्कि समाज के अंतिम व्यक्ति तक इसकी रोशनी पहुंचे।

संतों व पदाधिकारियों का जताया आभार

मुख्यमंत्री योगी ने श्री राम जन्मभूमि न्यास के महासचिव चंपत राय, वरिष्ठ प्रचारक पुरुषोत्तम नायक, गोपाल जी सहित सभी वरिष्ठ प्रचारकों और स्वयंसेवकों को कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिए धन्यवाद दिया।उन्होंने कहा, पूज्य संतों का एक बार फिर अभिनंदन करता हूं। जय जय श्री राम।

150 सफाई कर्मचारियों और 50 नाविकों को सम्मानित किया

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने राम कथा पार्क के हेलीपैड के पास नगर निगम के 150 सफाई कर्मचारियों और 50 नाविकों को सम्मानित भी किया। इसके साथ ही उन्हें उपहार भी भेंट किया। इसके बाद मुख्यमंत्री ने सफाई कर्मियों और नाविकों के उत्कृष्ट कार्य के लिए उन्हें बधाई और दीपावली की हार्दिक शुभकामनाएं भी दीं।

दिवाली पर रामलला के दरबार पहुंचे सीएम योगी, हनुमानगढ़ी का भी लिया आर्शीवादः प्रदेशवासियों को दी बधाई

अयोध्या। भव्य दीपोत्सव संपन्न होने और नया विश्व कीर्तिमान स्थापित होने के बाद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार की सुबह संकट मोचन हनुमानगढ़ी का दर्शन किया। यहां उन्होंने विधि-विधान से पूजा-अर्चना करते हुए श्रीराम भक्त हनुमान से प्रदेशवासियों की सुख-समृद्धि और कल्याण की कामना की। मुख्यमंत्री ने हनुमानगढ़ी मंदिर के गद्दीनशीन महंत प्रेमदास से भी मुलाकात की।मुख्यमंत्री के आगमन पर मंदिर परिसर 'जय श्रीराम' के उद्घोष से गूंज उठा। संतों और पुजारियों ने पारंपरिक विधि से उनका स्वागत किया।

श्रीरामलला के दरबार में लगाई हाजिरी

हनुमानगढ़ी से निकलने के बाद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ सीधे श्रीराम जन्मभूमि परिसर पहुंचे। यहां उन्होंने प्रभु श्रीरामलला के दरबार में हाजिरी लगाई, आरती उतारी और मंदिर की परिक्रमा की।

राम दरबार में दर्शन-पूजन के बाद किया श्रद्धालुओं का अभिवादन

मुख्यमंत्री ने राम दरबार में भी दर्शन-पूजन कर प्रदेश की उन्नति और जनकल्याण की प्रार्थना की। दर्शन के उपरांत जब वे मंदिर परिसर से बाहर निकले तो श्रद्धालुओं ने जयघोष के साथ उनका स्वागत किया। मुख्यमंत्री ने हाथ हिलाकर जनता का अभिवादन स्वीकार किया और बच्चों को आशीर्वाद दिया। अयोध्या प्रवास के दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रदेशवासियों को दीपावली की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने प्रदेशवासियों के सुखी व समृद्ध जीवन की कामना की।

बहराइच के पटाखा बाजार में धमाका, एक युवक की मौत, एक गंभीर रूप से घायल... पैकेट गिरने से लगी आग

बहराइच। दीपावली की शाम बहराइच में पटाखे खरीदते वक्त बड़ा हादसा हो गया। इंदिरा नगर मोहल्ले में पटाखा लेकर उतरते समय युवकों के हाथ से पटाखों का पैकेट गिर गया। नीचे गिरते ही पटाखे तेज आवाज के साथ फटने लगे, जिससे दोनों युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। इलाज के दौरान एक युवक की मौत हो गई।

घटना सोमवार शाम की है। स्टेशन रोड स्थित चंद्रशेखर आजाद बालिका इंटर कॉलेज मार्ग किनारे पटाखे की अस्थायी दुकानें लगी हुई थीं। पटाखा विक्रेता अमन गर्ग के मकान से दो युवक पटाखे लेकर बाहर निकल रहे थे। तभी लड़खड़ाकर गिर गए और पटाखे फट पड़े। तेज धमाके से आसपास अफरा-तफरी मच गई। थाना प्रभारी करुणाकर पांडे फोर्स के साथ मौके पर पहुंचे। जहांनचक बंगला पकड़ी गांव निवासी घायल वीरेंद्र (16) पुत्र कमला प्रसाद व मनीष (18) पुत्र अनंत राम को सीएचसी रिसिया भेजा गया, जहां से हालत गंभीर होने पर मेडिकल कॉलेज बहराइच रेफर कर दिया गया। उपचार के दौरान मनीष ने दम तोड़ दिया। हादसे की जानकारी मिलते ही परिजन रोते-बिलखते अस्पताल पहुंचे। सीओ पयागपुर ने भी मौके पर पहुंचकर जांच शुरू कर दी है।

मातम में बदलीं त्योहार की खुशियां...गड्ढे में मासूम की लाश देख परिवार सन्न

भदोही। ऊंज थाना क्षेत्र के पूरेभान गांव में प्रकाश पर्व दिवाली के दिन सोमवार को एक दर्दनाक हादसा हो गया। जहां सरकारी हैंडपंप के पास गड्ढे में जमा पानी में डुबने से एक पांच साल के मासूम की जान चली गई। वह घर के सामने लगे हैंडपंप पर खेलते-खेलते चला गया था। जहां उसका पैर अचानक फिसल गया और गड्ढे में डूब गया। ग्रामीणों ने हैंडपंप के पास सोख्ता न बनाए जाने को लेकर लापरवाही का आरोप लगाया। वहीं घटना के बाद से पाट दिया।

पूरेभान गांव निवासी स्व. उमाकांत की दो साल पहले बीमारी से मौत हो गई। घर पर उनके पत्नी रेखा अपने तीन बच्चों और सास-ससुर के साथ रहती है। गांव के इनके घर के सामने ही एक सरकारी हैंडपंप लगा हुआ है।

परिजनों में मचा कोहराम

सोमवार को रेखा का सबसे छोटा बेटा (5) सनी खेलते-खेलते हैंडपंप के पास चला गया। हैंडपंप के पास ही उसकी पानी से गड्ढे की तरह बन गया है। जहां हमेशा पानी जमा रहता है। बताया जा रहा है कि हैंडपंप के पास लगातार पानी गिरने से फिसलन बन गई है। सनी खेलने के दौरान अचानक फिसल गया और पास के ही पानी के गड्ढे गिर गया और डूब गया। इधर बेटे को न पाकर मां परेशान थी। वहीं, गांव के ही कुछ लोग हैंडपंप पर पहुंचे तो मासूम का सिर दिख रहा था। इससे हड़कंप मच गया। लोगों ने तत्काल उसे गड्ढे से निकाला, लेकिन तब तक उसकी जान चली गई थी। इसकी सूचना पुलिस को दी गई।

मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। वहीं दूसरी मासूम की मौत परिजनों पर गमों का पहाड़ टूट पड़ा। परिजनों कलिंजरा घाट पर उसका अंतिम संस्कार कर दिया। वहीं ग्रामीणों ने हैंडपंप के गड्ढे को मिट्टी से पाट दिया।

प्रदेश के रास्ते नेपाल-बांग्लादेश जा रही हैं नारकोटिक्स दवाएं, कफ सिरप पकड़े जाने के बाद शुरू हुआ अभियान

लखनऊ। प्रदेश से नारकोटिक्स दवाएं नेपाल, बांग्लादेश भेजने के सबूत मिलने लगे हैं। ये दवाएं लखनऊ से वाया लखीमपुर खीरी भेजी जा रही हैं। पिछले दिनों दवा कारोबारी के घर से 69 लाख की नारकोटिक्स दवाएं पकड़ी गई हैं। इस कारोबारी ने लखनऊ की एजेंसी से सालभर में करोड़ों की दवाएं खरीदी हैं।

राजस्थान और मध्य प्रदेश में कफ सिरप पीने से कई बच्चों की मौत के बाद जांच अभियान शुरू हुआ है। लखनऊ में एक घर में बड़ी मात्रा में पकड़ी गई सिरप और हिरासत में लिए गए लोगों से मिले सबूत के आधार पर जांच आगे बढ़ रही है। लखनऊ में इथिका लाइफ साइंस और आर्पिक फार्मास्युटिकल के ट्रांसपोर्ट नगर स्थित गोदाम में छापा मारा गया, वहां से बड़ी मात्रा में कोडिन सिरप, ट्रामाडॉल, अल्प्राजोलम टैबलेट मिले थे। दस्तावेजों की जांच में पता चला कि करोड़ों की दवाएं अकेले लखीमपुर खीरी भेजी गई हैं।

ऐसे में छापा मार कर गोला गोकर्णनाथ थाना क्षेत्र के थोक और फुटकर दवा विक्रेता सरोज कुमार मिश्रा के यहां छापा मारा। दवा विक्रेता के मकान से बिना लाइसेंस के नारकोटिक्स श्रेणी की दवा ट्रामाडॉल बरामद हुई, जिसकी कीमत करीब 69.87 लाख है। खाद्य सुरक्षा एवं लखीमपुर खीरी में खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभाग की टीम ने छापा मारा तो पीयूष मेडिकल एजेंसी ने रिपोर्ट दर्ज कराई है।

अन्य जिलों से बेची गई दवाओं की हो रही पड़ताल

औषधि प्रशासन विभाग की जांच में इस बात के पुख्ता सबूत मिले हैं कि यहां से नारकोटिक्स दवाएं नेपाल और बांग्लादेश तक जा रही हैं।

छापे के दौरान टीम पर हुआ हमला

पर मौजूद आयुष उर्फ नितिन व उसके साथ मौजूद अन्य लोगों ने टीम पर हमला बोल दिया। टीम के मोबाइल ही छीन लिए। टीम में शामिल लखीमपुर खीरी की औषधि निरीक्षक बबिता रानी

लखनऊ में नारकोटिक्स दवा के गोदाम पर मिले दस्तावेज के जरिये एफएसडीए की टीम पूरे प्रदेश में जांच में जुटी है। अब तक हुई पड़ताल में यह बात सामने आई है कि रायबरेली के अजय फार्मा, वाराणसी के विंध्यवासिनी फार्मा, कानपुर के मां दुर्गा मेडिको, सिसौंदिया मेडिकल एजेंसी, एजीपीएस फार्मा, बालाजी मेडिकल स्टोर, आरएस हेल्थ केयर, एएस हेल्थ केयर, लखनऊ के सुभाष मेडिकल एजेंसी, मेद्राट फार्मा, नोवान लाइफ साइंस, श्रीश्याम फार्मा, जौनपुर के अनुज मेडिकल एजेंसी, सीतापुर के नैमिष फार्मा में अलग-अलग तिथियों में बड़ी मात्रा में यह सिरप भेजी गई है।

नेपाल सीमा से सटे जिलों में गहन जांच जारी

खाद्य सुरक्षा एवं औषधि विभाग की आयुक्त डॉ. रौशन जैकब ने बताया कि कोडीन सिरप मामले में लखनऊ से मिले सबूत के आधार पर पूरे प्रदेश में जांच चल रही है। पंजाब और दिल्ली के साथ ही लखीमपुर खीरी, बहराइच और महराजगंज से नेपाल और असम के जरिये बांग्लादेश तक इन दवाओं के पहुंचने की संभावना है। यह नेटवर्क अंतरराज्यीय ही नहीं, बल्कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी सक्रिय है। नारकोटिक्स ब्यूरो ने उत्पादन कोटा और लाइसेंस, वितरण आदि के दस्तावेज मंगाकर सत्यापन का कार्य चल रहा है। लखीमपुर खीरी और सीतापुर सहित कई लोगों पर रिपोर्ट दर्ज कराई गई है। लखनऊ, कानपुर नगर, वाराणसी, बलरामपुर और गाजियाबाद समेत कई जनपदों के मेडिकल स्टोर्स पर कोडीनयुक्त कफ सिरप और नॉरकोटिक औषधियों की बिक्री पर रोक लगाई गई है। राज्यभर से 913 कफ सिरप नमूने जांच के लिए भेजे गए हैं, जिसमें 63 नमूनों की रिपोर्ट अब तक संतोषजनक आई है। अन्य की जांच चल रही है।

मुस्लिम महिलाओं ने प्रभु राम के आगे नवाया शीश, उतार आरतीः कट्टरपंथियों को दिया जवाब

वाराणसी। जगद्गुरु बालक देवाचार्य के मार्गदर्शन में मुस्लिम महिलाओं ने सजावटी थाल में दीपक जलाकर भगवान श्री राम, माता जानकी की प्रतिमा की आरती की। नाज़नीन अंसारी द्वारा उर्दू में लिखित श्रीराम आरती सबने मिलकर गाया। अलगाववादियों, नफरती गैंग, कट्टरपंथी समूहों के मुंह पर करारा तमाचा है मुस्लिम महिलाओं की श्रीराम आरती। जगद्गुरु स्वयं मुस्लिम महिलाओं के साथ आरती में खड़े हुए। आरती के बाद मुस्लिम महिला फाउंडेशन की नेशनल सदर नाज़नीन अंसारी ने सबको भगवान श्रीराम भोग का वितरण किया।

इस अवसर पर जगद्गुरु बालक देवाचार्य जी महाराज ने कहा कि इस तस्वीर को देखकर दुनियां के लोग सबक लें। घर परिवार से लेकर देश में शांति स्थापित करनी है तो राम के नाम का ही सहारा लें। राम की संस्कृति सभी को साथ लेकर चलने की है। बिना भेद किये साबको गले लगाने की है। मुस्लिम महिलाओं ने अपने पूर्वजों की संस्कृति को माना, अपने मूल जड़ से जुड़ीं। इनका प्रयास रामराज्य की दिशा में बड़ा कदम है।

मुस्लिम महिला फाउंडेशन की नेशनल सदर नाजनीन अंसारी ने कहा कि हमने मजहब बदला है, धर्म नहीं। धर्म तो सिर्फ सनातन है। हम सभी सनातनी हिन्दू हैं। अपने पूर्वजों और परम्पराओं से सभी भारतीय एक हैं। बस पूजा करने का तरीका बदल लिया, इसकी वजह से अपने पूर्वजों और परम्पराओं को छोड़ दें, यह कैसे हो सकता है। राम के आने का मतलब सुख, समृद्धि, शांति, दया, प्रेम, करुणा, सम्बन्ध, संस्कार, एकता, त्याग और सम्मान है। केवल राम नाम से यह सम्भव है तो हर देश को राम नाम की पूंजी अपने परिवार और देश को बचाने के लिए एकत्र करना चाहिए। अफगानिस्तान से हमारे रिश्ते पूर्वजों और खून का है। अफगानिस्तान में भगवान राम की प्रतिमा लगाई जाए ताकि वहां के लोग अपने पूर्वजों की संस्कृति से जुड़ सके।

विशाल भारत संस्थान के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ0 राजीव श्रीगुरुजी ने कहा कि रामपंथ ही दुनियां में फैली नफरत को खत्म करने का एकमात्र साधन है। जहाँ राम के कदम पड़ेंगे वहां रामराज्य का सुखद अनुभव होगा। राम के आने का मतलब पीड़ा से मुक्ति, प्रेम की वृद्धि और सेवा का संस्कार है। यही तो देश को महान बनाएगा। अब तो दुनियां बस शांति की तलाश कर रही है, तो आये राम की ओर। यहां सभी की स्वीकार्यता है।

विशाल भारत संस्थान की केन्द्रीय परिषद सदस्य डॉ0 नजमा परवीन ने कहा कि हम इतने बेगैरत नहीं की अपने पूर्वजों को भूलकर अरबी और तुर्की बनने का नाटक करें।

ब्लिंकिट के स्वामित्व वाली कंपनी को 128 करोड़ का जीएसटी नोटिस, यूपी के कर विभाग ने लगाया यह आरोप

दिल्ली। खाद्य वितरण व त्वरित डिलीवरी एप जोमैटो और ब्लिंकिट के स्वामित्व वाली कंपनी इटर्नल को उत्तर प्रदेश के वाणिज्य कर विभाग से 128 करोड़ रुपये से अधिक का जीएसटी डिमांड नोटिस मिला है। यह नोटिस लखनऊ के राज्य कर उपायुक्त ने जारी किया है।

विभाग ने अप्रैल, 2023 से मार्च, 2024 की अवधि में आउटपुट टैक्स के कम भुगतान और इनपुट टैक्स क्रेडिट के अधिक उपयोग का आरोप लगाया है। कंपनी के मुताबिक, आदेश में कुल 64.17 करोड़ रुपये की जीएसटी मांग के साथ उतनी ही राशि का ब्याज व जुर्माना लगाया गया है, जिससे कुल राशि 128 करोड़ रुपये से अधिक हो जाती है। इटर्नल ने बताया कि वह इस आदेश के खिलाफ अपील करेगी। इटर्नल ने नियामकीय फाइलिंग में कहा कि आदेश में लगाए गए आरोपों व गणनाओं से वह सहमत नहीं है। मार्च 2025 में कंपनी ने अपने नाम को जोमैटो से बदलकर इटर्नल रखा था, जबकि जोमैटो और ब्लिंकिट दोनों उसके स्वामित्व में हैं।

गंगा में नहाने गई दो चचेरी बहनों समेत तीन लड़कियों की डूबने से मौत, मातम में बदली त्योहार की खुशियां

गाजीपुर। कार्तिक स्नान के लिए अमवा घाट पर गंगा में नहा रही दो चचेरी बहनों समेत तीन लड़कियों की डूबने मौत हो गई। वहीं, मल्लाह ने डूब रही महिला सहित चार को युवतियों को बचाया। उधर, स्थानीय गोताखोरों व आपदा मित्रों ने चार घंटे के प्रयास के बाद घटना स्थल से ही तीनों शव को बाहर निकाला। छोटी दीपावली पर्व पर हुए हादसे से रामजनपुर गांव में कोहराम मच गया।

रामजनपुर गांव निवासी रामबचन यादव ने पुलिस को बताया कि गांव एक महिलाओं और चार युवतियों के साथ पुत्री पूनम यादव (19), भाई राजदेव यादव की पुत्री रोली (16) और बबलू यादव की पुत्री खुशी (12) भी कार्तिक स्नान के लिए भोर में अमवाघाट गई थीं। सुबह 5.30 बजे घाट पर सभी स्नान कर रही थीं, अचानक पैर फिसलने से पुत्री सहित सातों लड़कियां डूबने लगी।

डूब रही लड़कियों की शोर सुनकर कुछ दूरी पर परवल की खेती कार्य में जुटे मल्लाह बलिराम चौधरी ने मौके पर पहुंच कर महिला समेत चार युवतियों को पानी से बाहर निकाला, लेकिन पूनम, रोली और खुशी पानी में समा गईं। उधर, घटना की जानकारी मिलते ही ग्रामीण और पुलिस टीम भी मौके पर पहुंच गई।

परिजनों में मचा कोहराम

थानाध्यक्ष शैलेंद्र प्रताप सिंह ने बताया कि स्थानीय गोताखोरों एवं आपदा मित्रों की सहायता से डूबी तीन लड़कियों की तलाश शुरू की गई। चार घंटो के बाद घटना स्थल से ही सुबह 9.30 बजे पूनम यादव का शव गोताखोरों ने पानी से बाहर निकाला। इसके बाद 10.15 बजे चचेरी बहन रोली यादव का भी शव मिला। दोनों शवों को मॉर्च्यूरी हाउस भेजवा दिया। वहीं, दोपहर 12.30 बजे खुशी यादव का भी शव गोताखोरों को खोज निकाला।

इधर तीनों का शव देखकर परिजन दहाड़े मारकर रोने बिलखने लगे। यह देख ग्रामीणों की भी आंख भर आई। सूचना पर सदर एसडीएम रविश गुप्ता और तहसीलदार राजू यादव घटना स्थल पहुंचे और ग्रामीणों से हादसे की जानकारी ली। थानाध्यक्ष ने बताया कि गंगा में डूबकर दो चचेरी बहनों सहित तीन की मौत हो गई है। तीनों शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है।

भिवंडी में गटर घोटाले का पर्दाफाश

पुरानी गटरों की मरम्मत को नया निर्माण दिखाकर लाखों रुपये का फंड निकाला

इंजीनियर और ठेकेदारों की मिलीभगत उजागर

भिवंडी (संवाददाता)

मंत्र न्यूज

भिवंडी-निजामपुर शहर महानगर पालिका क्षेत्र में भ्रष्टाचार का एक और बड़ा मामला सामने आया है। आरोप है कि पालिका के संबंधित विभागों के इंजीनियरों और ठेकेदारों ने मिलकर पुरानी गटरों की सफाई और मरम्मत को 'नई गटर निर्माण' बताकर लाखों रुपये का फंड निकाल लिया।

गौरतलब हो कि भिवंडी पालिका में पिछले तीन वर्षों से प्रशासक राज लागू है। इस दौरान कई स्थानों पर नई गटरों के निर्माण के नाम पर टेंडर पास किए गए, लेकिन वास्तव में पुरानी गटरों की सफाई, मरम्मत और उन पर नया स्लैब डालने का काम ही किया गया। गटर की चौड़ाई, गहराई या संरचना में कोई बदलाव नहीं किया गया। स्थानीय सामाजिक कार्यकर्ता परमेश्वर अंभोरे ने इस मामले को गंभीर बताते हुए कहा कि 'पालिका के बांधकाम विभाग के इंजीनियर, मुख्य शहर अभियंता और कुछ स्थानीय जनप्रतिनिधि इस भ्रष्टाचार के खेल में शामिल हैं। नई गटर निर्माण के नाम पर करोड़ों रुपये का दुरुपयोग किया गया है।'

अंभोरे ने राज्य शासन से मांग की है कि पिछले तीन वर्षों में जितनी भी गटरों को 'नई' बताकर दिखाया गया है, उनकी एसआईटी से जांच कराई जाए। साथ ही दोषी ठेकेदारों को ब्लैकलिस्ट किया जाए और संबंधित इंजीनियरों को तत्काल सेवा से बर्खास्त किया जाए। उन्होंने बताया कि पूर्व सांसद सुरेश टावरे के जनसंपर्क कार्यालय के पास अशोक नगर क्षेत्र में जो गटर निर्माणाधीन है, वह इस घोटाले का 'जीता-जागता उदाहरण' है। अंभोरे का कहना है कि 'नगर पालिका प्रशासन को तत्काल इस पूरे प्रकरण की जांच शुरू करनी चाहिए, ताकि जनता के पैसे से किए जा रहे भ्रष्टाचार पर लगाम लग सके।'

भिवंडी के नागरिकों में इस खुलासे के बाद भारी रोष है। लोगों का कहना है कि शहर में जलनिकासी की समस्या पहले से ही गंभीर है। हर वर्ष बारिश में निचले इलाकों में पानी भर जाता है, और ऐसे में गटर निर्माण में इस तरह का भ्रष्टाचार जनता की तकलीफ को और बढ़ा रहा है। स्थानीय निवासियों ने पालिका प्रशासन से यह भी मांग की है कि सभी गटर परियोजनाओं का स्थल निरीक्षण कर वास्तविक स्थिति सार्वजनिक की जाए।

भिवंडी के पावरलूम मजदूर बोनस से वंचित, अंधेरे में बीतेगी दिवाली

भिवंडी (संवाददाता)

मंत्र न्यूज

कभी 'मैनचेस्टर ऑफ पावरलूम' के नाम से मशहूर भिवंडी के हजारों यंत्रमाग (पावरलूम) मजदूर आज भी अपने हक से वंचित हैं। इन मजदूरों की हालत यह है कि वर्षों से लगातार काम करने के बावजूद उन्हें न तो सरकारी पहचान मिली है और न ही बोनस जैसी बुनियादी सुविधाएँ। नतीजतन, हर साल की तरह इस बार भी उनकी दिवाली अंधेरे में बीतने वाली है।

भिवंडी की पहचान पूरी दुनिया में उसके यंत्रमाग उद्योग से बनी है, लेकिन यही मजदूर आज शासन की नजरों से ओझल हैं। कारण यह है कि शहर के अधिकांश पावरलूम कारखानों का पंजीकरण अभी तक 'फैक्टरी एक्ट' के तहत नहीं हुआ है। जब कारखाने ही सरकारी रजिस्टर में नहीं हैं, तो उनके मजदूरों का नाम दर्ज होना तो दूर की बात है। परिणाम स्वरूप, ये मजदूर सरकारी योजनाओं और कल्याण सुविधाओं से पूरी तरह वंचित हैं। कई कारखाना मालिकों ने तो अपने कामगारों को पहचानपत्र तक नहीं दिए हैं। स्थिति यह है कि जो मजदूर 10-12 साल से एक ही फैक्टरी में काम कर रहा है, उसे भी जरूरत पड़ने पर मालिक अपना कर्मचारी मानने से इंकार कर देता है। इस लापरवाही के लिए मजदूर विभाग के अधिकारियों को जिम्मेदार ठहराया जा रहा है, जो हर बार 'कर्मचारी की कमी' का बहाना बनाकर पल्ला झाड़ लेते हैं।

कौमी एकता फाउंडेशन के अध्यक्ष व सामाजिक कार्यकर्ता तुफैल फारूकी का कहना है कि शहर और आसपास करीब

6 से 7 लाख यंत्रमाग हैं, जिन पर लगभग साढ़े तीन लाख मजदूर काम करते हैं। स्थानीय जनप्रतिनिधि और कुछ संगठन इन उद्योगों को सरकारी सुविधाएं दिलाने की बात तो करते हैं, लेकिन फैक्टरी रजिस्ट्रेशन और मजदूरों के हक के लिए ठोस पहल कोई नहीं करता।पहले यंत्रमाग क्षेत्र के अधिकांश मजदूर अशिक्षित हुआ करते थे, मगर अब नई पीढ़ी शिक्षित है और मजदूर संघों के माध्यम से अपने अधिकारों की लड़ाई लड़ रही है। वहीं, दूसरी ओर यह भी सच है कि नई पीढ़ी अब इस उद्योग में भविष्य नहीं देख रही, जिसके कारण पावरलूम उद्योग में कामगारों की संख्या लगातार घटती जा रही है। इससे भिवंडी की 'यंत्रमाग नगरी' के रूप में पहचान खत्म होने का खतरा बढ़ गया है। उन्होंने सरकार से मांग की है कि भिवंडी के सभी यंत्रमागों को 'फैक्टरी एक्ट' के तहत पंजीकृत किया जाए और 'यंत्रमाग कामगार कल्याण महामंडल' का गठन कर मजदूरों के भविष्य को सुरक्षित बनाया जाए। उन्होंने बताया कि कोरोना काल में मजदूरों का वेतन सीधे बैंक खातों में जमा किया गया था इसी तरह अगर सरकार नियमित रूप से सभी नीतियों को लागू करे तो मजदूरों के साथ-साथ पावरलूम उद्योग का भी भविष्य उज्जवल होगा।

तुफैल फारूकी
कौमी एकता फाउंडेशन के अध्यक्ष व सामाजिक कार्यकर्ता

महागठबंधन में सीटों को लेकर घमासान, भाजपा का आरोप- पैसे लेकर बेचे जा रहे टिकट

पटना। बिहार भारतीय जनता पार्टी के अध्यक्ष दिलीप जायसवाल ने सोमवार को महागठबंधन पर विधानसभा चुनाव में पैसे लेकर उम्मीदवारों को टिकट बेचने का आरोप लगाया। उन्होंने यह भी कहा कि गठबंधन में आंतरिक कलह है। दिलीप जायसवाल ने कहा कि बिहार के मतदाता महागठबंधन की अंदरूनी कलह और पैसे लेकर टिकट बेचने की प्रक्रिया देख रहे हैं... महागठबंधन आज तक सीटों का बंटवारा नहीं कर पाया... ऐसे में सरकार कैसे चलेगी?

उन्होंने कांग्रेस सांसद राहुल गांधी की भी आलोचना की, जिनके बारे में उनका मानना ??है कि वे बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री कर्पूरी ठाकुर से 'जन नायक' शब्द 'छीनने' की कोशिश कर रहे हैं। बिहार भाजपा अध्यक्ष ने इसे 'बिहार और पिछड़े समुदाय का अपमान बताया।

दिलीप जायसवाल ने कहा कि एक तरफ, राहुल गांधी कर्पूरी ठाकुर से 'जन नायक' शब्द छीनना चाहते हैं... यह बिहार और पिछड़े समुदाय का अपमान है। दिलीप जायसवाल ने राहुल गांधी की आलोचना कई कांग्रेस नेताओं द्वारा उनके लिए 'जन नायक' शब्द का इस्तेमाल करने के बाद की है। यह शब्द आमतौर पर भारत रत्न कर्पूरी ठाकुर से जुड़ा है। इससे पहले, लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के प्रमुख चिराग पासवान ने कुछ साझा सीटों पर उम्मीदवार उतारने को लेकर विपक्षी महागठबंधन की आलोचना की और कहा कि 'दोस्ताना लड़ाई जैसी कोई चीज़ नहीं होती'।

केंद्रीय मंत्री ने विपक्षी दल पर आरोप लगाते हुए कहा कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के बीच विवाद उनकी हार का कारण बनेगा। पटना में पत्रकारों से बात करते हुए, आरजेडी और कांग्रेस के बीच साझा सीटों पर लड़ाई के बारे में पासवान ने कहा, 'दोस्ताना लड़ाई जैसी कोई चीज़ नहीं होती, या तो आप दोस्त होते हैं या आपस में लड़ रहे होते हैं।

दो पक्षों में हुआ जमकर खूनी संघर्ष, पथराव के साथ हुई फायरिंग; एक के पेट में लगी गोली...छह गंभीर

लखनऊ। पीजीआई के रेवतापुर इलाके में दो परिवारों के बीच सोमवार दोपहर खूनी संघर्ष हुआ। दोनों तरफ से जमकर ईंट- गुम्मे चले। एक पक्ष ने लाइसेंसी राइफल से फायरिंग की। गोली प्लंबर सोनू यादव को लगी। मारपीट व पथराव में छह लोग घायल भी हुए। सभी घायलों को ट्रामा-2 में भर्ती कराया गया है।

डीसीपी साउथ निपुण अग्रवाल ने बताया कि रेवतापुर इलाके में प्लंबर सोनू यादव परिवार संग रहते हैं। पड़ोस में ही उनके पट्टीदार डेयरी संचालक अजय यादव भी रहते हैं। सोमवार करीब तीन बजे दोनों परिवारों के बीच किसी बात को लेकर विवाद हो गया। देखते-देखते विवाद काफी बढ़ गया। दोनों परिवार से महिला, पुरुष व अन्य लोग आमने-सामने आ गए।

दोनों तरफ से जमकर ईंट व पत्थर चलने लगे। इस बीच अजय यादव की तरफ से लाइसेंसी राइफल से फायरिंग की गई। फायरिंग में सोनू यादव के पेट में गोली लगी। अचानक इस घटना से पूरे इलाके में अफरा-तफरी मच गई। ईंट लगने से अजय यादव का सिर फट गया। दोनों तरफ से छह लोगों को चोट भी लगी।

सूचना पर पहुंची पुलिस ने सभी घायलों को इलाज के लिए ट्रामा-2 में भर्ती कराया। सोनू और अजय को भर्ती कर लिया गया है। दोनों का इलाज चल रहा है। अन्य घायलों को प्राथमिक उपचार के बाद छुट्टी दे दी गई। डीसीपी ने बताया कि दोनों पक्षों ने तहरीर दी है। दोनों तरफ से केस दर्ज किया जा रहा है।

'शांतिपूर्ण संवाद ही जातीय संघर्ष का एकमात्र स्थायी समाधान', पुलिस स्थापना दिवस पर डीजीपी का बयान

इम्फाल। मणिपुर में जारी जातीय हिंसा को लेकर राज्य के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) राजीव सिंह ने कहा है कि 'शांतिपूर्ण संवाद' ही इस संकट का एकमात्र स्थायी समाधान है। उन्होंने सभी समुदायों से एक-दूसरे के साथ बातचीत कर समाधान निकालने की अपील की। इंफाल में 134वें स्थापना दिवस के अवसर पर बोलते हुए मणिपुर पुलिस प्रमुख सिंह ने कहा, 'यह बहुत चुनौतीपूर्ण समय है, लेकिन हम पूरी ताकत और सभी के सहयोग से इनसे निपटने की कोशिश कर रहे हैं।'

राजीव सिंह ने आगे कहा, 'कुछ समस्याएं हैं जिनका हम जल्द से जल्द समाधान करने की कोशिश कर रहे हैं, क्योंकि हम भी जल्द से जल्द शांति और सामान्य स्थिति चाहते हैं। बहुत नुकसान हुआ है और सामान्य जीवन अस्त-व्यस्त हो गया है, लेकिन पिछले डेढ़ साल में हालातों में सुधर आया है।'

पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) राजीव सिंह ने आगे कहा कि 'हिंसा, मौतें और घायल होने की घटनाओं में कमी आई है। आगजनी और गोलीबारी की छिटपुट घटनाएं हुई हैं, लेकिन सुरक्षा बल सतर्क हैं और हर कोई यह सुनिश्चित करने में लगा हुआ है कि स्थिति और बिगड़े नहीं।'

डीजीपी सिंह ने आगे कहा, 'मैं दोनों समुदायों (मैतेई और कुकी) से अपील करता हूं कि वे आगे आएं और बातचीत के जरिए समाधान निकालें। इस समस्या का समाधान केवल शांतिपूर्ण संवाद से ही संभव है।'

उन्होंने यह भी कहा कि मणिपुर पुलिस हमेशा जनहित और नागरिकों की सुरक्षा के प्रति संवेदनशील रही है। इससे पहले प्रथम मणिपुर राइफल्स परेड ग्राउंड में एक सभा को संबोधित करते हुए, सिंह ने कहा, 'पिछले एक साल में 3,014 अवैध हथियार और 30,000 राउंड गोला-बारूद बरामद किया गया है, जबकि 1,000 से ज्यादा अवैध हथियार और 15,000 गोला-बारूद सुरक्षा बलों के सामने जमा किए गए हैं।'

आपको बता दें कि मणिपुर में मई 2023 से मैतेई और कुकी समुदायों के बीच जातीय हिंसा जारी है, जिसमें अब तक सैकड़ों लोगों की मौत हो चुकी है और हजारों विस्थापित हुए हैं।

पंजाब में 15 सितंबर से अब तक पराली जलाने के 308 मामले सामने आए, तरनतारन में सबसे ज़्यादा मामले दर्ज किए गए

चड़ीगढ़। पंजाब में पराली जलाने की घटनाओं की संख्या 308 तक पहुंच गई है, जिनमें से ज्यादातर मामले तरनतारन और अमृतसर ज़िलों में हैं। पंजाब प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के आंकड़ों में इसकी जानकारी दी गयी है। पंजाब में अब तक पराली जलाने के सबसे अधिका 113 मामले तरनतारन जिले में देखे गए हैं, इसके बाद अमृतसर में 104 मामले दर्ज किए गए हैं, क्योंकि कई किसान राज्य सरकार की इस प्रथा को रोकने की अपील को नजरअंदाज करते हुए पराली जलाना जारी रखे हुए हैं।

पंजाब और हरियाणा में पराली जलाने को अक्सर दिल्ली-एनसीआर में वायु प्रदूषण बढ़ने के लिए ज़िम्मेदार ठहराया जाता है। अक्टूबर और नवंबर में धान की कटाई के बाद रबी की फसल, गेहूं की बुवाई का समय बहुत कम होता है, इसलिए कई किसान अगली फसल की बुवाई के लिए पराली को साफ करने के वास्ते अपने खेतों में आग लगा देते हैं।

पंजाब प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (पीपीसीबी) के आंकड़ों के अनुसार, 15 सितंबर से 19 अक्टूबर के बीच पंजाब में पराली जलाने की 308 घटनाएं हुईं। आंकड़ों के अनुसार, अन्य जिलों के अलावा, फिरोजपुर में पराली जलाने के 16, पटियाला में 15 और गुरदासपुर में सात मामले सामने आए हैं। पिछले सप्ताह के मुकाबले पराली जलाने की घटनाएं में वृद्धि देखने को मिली है और 11 अक्टूबर को यह आंकड़ा 116 से बढ़कर 308 हो गया। पीपीसीबी के आंकड़ों के अनुसार, अब तक 132 मामलों में पर्यावरण क्षतिपूर्ति के रूप में 6.5 लाख रुपये से अधिक का जुर्माना लगाया गया है।

कुल जुर्माने में से 4.70 लाख रुपये से अधिक की वसूली की जा चुकी है। इसके अलावा, पराली जलाने की घटनाओं को लेकर 147 प्राथमिकी दर्ज की गई हैं, जिनमें तरनतारन में 61 और अमृतसर में 37 मामले शामिल हैं। भारतीय न्याय संहिता की धारा 223 (लोक सेवक द्वारा जारी आदेशों की अवज्ञा) के तहत मामले दर्ज किए गए हैं। राज्य सरकार ने पराली जलाने के दुष्प्रभावों और फसल अवशेष प्रबंधन मशीनरी के लाभों को उजागर करने के लिए एक अभियान शुरू किया है, फिर भी कई किसानपराली जलाते हैं।

पंजाब में 2024 में पराली जलाने की 10,909 घटनाएं हुईं, जबकि 2023 में यह संख्या 36,663 थी, जिससे पराली जलाने की घटनाओं में 70 प्रतिशत की कमी दर्ज की गई।

धर्म की आड़ में हैवानियत, कटक में स्वयंभू बाबा ने 7 साल की बच्ची से की दरिंदगी

कटक। ओडिशा के कटक जिले में एक स्वयंभू धर्मगुरु को सात साल की बच्ची का कथित तौर पर यौन उत्पीड़न करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। यह जानकारी पुलिस ने सोमवार को दी। पुलिस ने बताया कि यह घटना केंदुपटना इलाके में उस समय हुई जब लड़की कुछ सामान खरीदने अपने घर के पास स्थित एक दुकान पर जा रही थी। पुलिस ने बताया कि 50 वर्षीय आरोपी व्यक्ति बच्ची को पास के एक मठ में ले गया और उसका यौन उत्पीड़न किया। पुलिस ने बताया कि नंदनकानन पुलिस थाने में यौन अपराधों से बच्चों का संरक्षण (पॉक्सो) अधिनियम की विभिन्न धाराओं के तहत एक मामला दर्ज किया गया है। उन्होंने बताया कि आरोपी को तुरंत गिरफ्तार कर लिया गया।

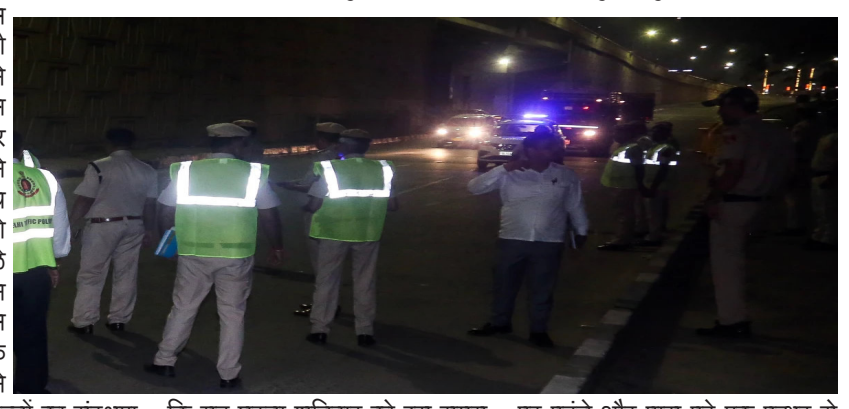

वहीं एक दूसरी घटना में ओडिशा के ढेंकानाल जिले में एक व्यक्ति ने उसकी 10 वर्षीय बेटी के साथ कथित तौर पर दुष्कर्म की कोशिश कर रहे व्यक्ति की हत्या कर दी। पुलिस ने रविवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि यह घटना शनिवार को उस समय घटी, जब लड़की अपने पिता के साथ नहर में नहाने गई थी। उसने बताया कि परजंग पुलिस थाना क्षेत्र में अपने गांव के पास नहर में नहाने के बाद लड़की शौच के लिए थोड़ी दूर चली गई थी। पुलिस ने बताया कि उस समय 27 वर्षीय एक व्यक्ति ने कथित तौर पर लड़की पर हमला किया। पुलिस ने बताया कि मदद के लिए अपनी बेटी की चीख-पुकार सुनकर उसके पिता मौके पर पहुंचे और पास पड़े एक पत्थर से हमलावर पर वार कर दिया, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। उसने बताया कि बाद में पिता ने पुलिस थाने में आत्मसमर्पण कर दिया।

आयुष और एलोपैथिक डॉक्टर्स के बीच समानता का मामला, सुप्रीम कोर्ट ने बड़ी पीठ को सौंपा केस

नई दिल्ली। क्या आयुर्वेद, यूनानी, होम्योपैथी जैसी स्वदेशी चिकित्सा पद्धतियों का अभ्यास करने वाले डॉक्टरों को सेवा शर्तों, सेवानिवृत्ति की आयु और वेतनमान निर्धारित करने के लिए उन्हें एलोपैथिक डॉक्टर्स के समान माना जा सकता है, इस मामले को सुप्रीम कोर्ट ने सुनवाई के लिए बड़ी पीठ को सौंप दिया है। 13 मई को मुख्य न्यायाधीश जस्टिस बी आर गवई और जस्टिस के विनोद चंद्रन की पीठ ने उन याचिकाओं पर अपना फैसला सुरक्षित रख लिया था जिनमें इस सवाल का जवाब मांगा गया था कि क्या सरकारी अस्पतालों और क्लीनिकों में आयुष चिकित्सकों से आधुनिक चिकित्सा पद्धति का अभ्यास करने वाले डॉक्टरों की सेवानिवृत्ति की आयु अलग हो सकती है।

17 अक्टूबर को दिए गए एक आदेश में, पीठ ने कहा कि इस बात पर मतभेद हैं कि क्या दोनों पद्धतियों के डॉक्टरों को सेवा लाभों के लिए समान माना जा सकता है और इसलिए, इस मुद्दे पर एक आधिकारिक निर्णय की आवश्यकता है। अदालत ने कहा कि आयुष डॉक्टरों को एलोपैथिक डॉक्टरों के समान सेवानिवृत्ति लाभ और वेतनमान मिल सकते हैं या नहीं, इस पर पहले के फैसलों में अलग-अलग रुख अपनाया गया था।

पीठ ने कहा कि हम राज्यों के इस तर्क को नजरअंदाज़ नहीं कर सकते कि (एलोपैथिक डॉक्टरों की) सेवानिवृत्ति आयु बढ़ाने का उद्देश्य केवल यह सुनिश्चित करना था कि जनता का इलाज करने के लिए पर्याप्त अनुभवी चिकित्सक उपलब्ध हों। एलोपैथी में चिकित्सकों की जैसी कमी है, वैसी कमी स्वदेशी चिकित्सा पद्धतियों में नहीं है, खासकर जब स्वदेशी चिकित्सा पद्धतियों के चिकित्सकों द्वारा महत्वपूर्ण जीवन रक्षक चिकित्सा और शल्य चिकित्सा देखभाल नहीं की जाती है।

'गैर-भाजपा राज्यों के साथ हो रहा भेदभाव', बाढ़ राहत पर प्रियांक खरगे ने केंद्र सरकार पर लगाया आरोप

बंगलूरू। कर्नाटक के ग्रामीण विकास और पंचायती राज मंत्री प्रियांक खरगे ने केंद्र सरकार पर बाढ़ राहत को लेकर गंभीर आरोप लगाए हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा शासित राज्यों को लगातार अधिक फंड दिए जा रहे हैं, जबकि गैर-भाजपा या एनडीए से बाहर के राज्यों के साथ हमेशा अन्याय होता है।

सोमवार को मीडिया से बातचीत में प्रियांक खरगे ने कहा कि केंद्र सरकार की राहत नीति पूरी तरह पक्षपातपूर्ण है। उन्होंने कहा कि केंद्र से जारी फंड राज्य की वास्तविक क्षति के मुकाबले बेहद कम हैं।

खरगे ने आगे कहा कि यह केंद्र सरकार की आदत बन गई है कि गैर-भाजपा राज्यों को पर्याप्त राहत नहीं देती। कर्नाटक देश के सबसे ज्यादा जीएसटी और आयकर

देने वाले राज्यों में से एक है। हम आईटी एक्सपोर्ट में भी नंबर वन हैं और देश के जीडीपी में 8.9 फीसदी योगदान देते हैं, इसके बावजूद हमें अनदेखा किया जाता है।

गृह मंत्री अमित शाह ने हाल ही में कर्नाटक और महाराष्ट्र के लिए 2025-26 के राज्य आपदा प्रतिक्रिया कोष की दूसरी किस्त के रूप में कुल 1,950.80 करोड़ रुपये की अग्रिम राशि स्वीकृत की। इसमें से 384.40 करोड़ रुपये कर्नाटक को और 1,566.40 करोड़ रुपये महाराष्ट्र को आवंटित किए गए हैं। यह राशि मानसून के दौरान भारी वर्षा और बाढ़ से प्रभावित लोगों को तत्काल राहत प्रदान करने के लिए दी जा रही है। हालांकि, खरगे ने कहा कि यह राशि राज्य में हुए व्यापक नुकसान के सामने नगण्य है।

कर्नाटक के साथ केंद्र हमेशा अन्याय करता है- प्रियांक

कर्नाटक के कई हिस्सों में इस साल मानसून के दौरान भारी बारिश और बाढ़ से जन-धन की बड़ी क्षति हुई। कई लोगों की मौतें हुईं, घर ढह गए, सड़कों और पुलों को नुकसान पहुंचा, और फसलों का विनाश हुआ। राज्य सरकार ने केंद्र से राहत फंड की मांग की थी, लेकिन जारी की गई राशि पर अब सवाल खड़े हो रहे हैं। राज्य सरकार ने कहा है कि वह केंद्र से और राहत की मांग दोहराएगी ताकि प्रभावित इलाकों में पुनर्निर्माण कार्य तेजी से पूरा किया जा सके।

मनोरंजन

सनी देओल की 'गबरू' से होगी धमाकेदार वापसी, बर्थडे पर एक्टर ने किया नई फिल्म का ऐलान

मुंबई। बर्थडे बॉय सनी देओल ने अपने 68वें जन्मदिन पर अपनी नई फिल्म 'गबरू' की घोषणा करके अपने सभी प्रशंसकों को एक शानदार तोहफा दिया है। अभिनेता ने सोशल मीडिया पर फिल्म का पहला आधिकारिक लुक भी जारी किया है, जिससे उनके प्रशंसकों में हलचल मच गई है। फिल्म का लेखन और निर्देशन शशांक उदापुरकर ने किया है।

बॉलीवुड अभिनेता सनी देओल ने रविवार को अपनी नई फिल्म गबरू का पहला पोस्टर साझा करके अपना 68वां जन्मदिन मनाया। फिल्म 13 मार्च

2026 को बड़े पर्दे पर रिलीज होगी। फिल्म पटकथा का लेखन और निर्देशन शशांक उदापुरकर ने किया है और इसका निर्माण ओम छंगानी और विशाल राणा ने किया है। देओल ने अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर पोस्टर साझा किया। अभिनेता ने गबरू को साहस, विवेक और करुणा की कहानी बताया। कैप्शन में लिखा है, ताकत वह नहीं है जो आप दिखाते हैं, बल्कि वह है जो आपके करने में निहित है! आप सभी को आपके प्यार और आशीर्वाद के लिए धन्यवाद। गबरू सिनेमाघरों में 13 मार्च 2026 को आएगी। साहस, विवेक और करुणा की कहानी। मेरे दिल से दुनिया के लिए। फिल्म में मिथुन का संगीत और सईद कादरी का गीत होगा। देओल की हालिया फिल्म जाट अप्रैल में रिलीज हुई थी।

गोपीचंद मालिनेनी द्वारा निर्देशित इस फिल्म में रणदीप हुड्डा भी थे। गबरू के अलावा, अभिनेता बॉर्डर 2 और लाहौर 1947 में भी दिखाई देंगे। अनुराग सिंह द्वारा निर्देशित बॉर्डर 2 23 जनवरी, 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। इस फिल्म में वरुण धवन और दिलजीत दोसांझ भी हैं और यह देओल की 1997 में आई फिल्म बॉर्डर की सीक्वल है। सनी देओल ने लाहौर 1947 में अभिनेत्री प्रीति जिंटा के साथ फिर से काम किया, जिनके साथ उन्होंने द हीरोः लव स्टोरी ऑफ अ स्पाई , दिल्लगी और ये रास्ते हैं प्यार के जैसी फिल्मों में काम किया है। लाहौर 1947 का निर्देशन राजकुमार संतोषी ने किया है।

'आखिरकार वो आ ही गया!' परिणीति-राघव ने किया बेटे का स्वागत, दिवाली से पहले ही खुशियों से भरा घर

मुंबई। पूरा देश दिवाली के जश्न बिजी है, इस दौरान बॉलीवुड एक्ट्रेस परिणीति चोपड़ा और आम आदमी पार्टी के नेता राघव चड्ढा के घर में दिवाली से पहले खुशियां आ गई है। परिणीति और राघव ने अपने पहले बच्चे का स्वागत किया है। अपने पहले बच्चे की उम्मीद कर रहे इस जोड़े ने 19 अक्टूबर को अपने इंस्टाग्राम पर यह खुशखबरी शेयर की। परिणीति चोपड़ा के दिल्ली के एक अस्पताल में भर्ती होने की खबर आज सुबह ही

आई। हाल ही में इंस्टाग्राम पर कपल ने नीले रंग की ग्राफ़िक तस्वीर शेयर करते हुए लिखा, 'आखिरकार वो आ ही गया! हमारा लाडला, और हमें सचमुच पहले की जिंदगी याद ही नहीं! बाहें भरी हैं, दिल और भी भरे हैं। पहले हम एक-दूसरे के साथ थे, अब हमारे पास सब कुछ है। शुक्रिया, परिणीति और राघव।'

फैंस ने दी ढेर सारी बधाईयां

जैसे ही इस कपल ने खुशखबरी शेयर की वैसे ही फैंस ने इस पर प्रतिक्रिया देना शुरू कर दिया। बधाईयों के संदेश आने लगे। एक ने लिखा, 'ओमजी, अब जश्न मनाने का एक कारण है! हम आपके और आपके परिवारों के लिए बहुत खुश हैं। हम अपनी सारी प्रार्थनाएं आपके लिए भेज रहे हैं - हम अपनी खुशी का वर्णन नहीं कर सकते!' एक अन्य प्रशंसक ने कहा, 'आपके लिए बहुत खुश हूं! जीवन का एक नया अध्याय बधाई हो, परी ।'

परिणीति और राघव की प्रेग्नेंसी घोषणा

परिणीति चोपड़ा और राघव चड्ढा ने 25 अगस्त 2025 को आधिकारिक तौर पर अपनी प्रेग्नेंसी की घोषणा की। इस जोड़े ने एक मनमोहक इंस्टाग्राम पोस्ट साझा की, जिसमें '1 + 1 = 3' से सजा एक केक और छोटे पैरों के निशान थे। इसके बाद इंस्टाग्राम पर एक वीडिया आया था जिसमें परिणीति अपने पति राघव चड्ढा का हाथ थामे एक पार्क में टहल रही थीं।

राघव ने कपिल के शो में परिणीति की प्रेग्रेंसी का इशारा किया

हाल ही में परिणीति और राघव द कपिल शर्मा शो में आए थे, जहां कपिल ने एक निजी किस्सा सुनाया कि कैसे उनकी मां ने उनकी शादी के तुरंत बाद पोते-पोतियों के बारे में बात करना शुरू कर दिया। कपिल ने मज़ाक में नवविवाहित जोड़े को सलाह दी कि वे जल्दी से योजना बनाएं, वरना परिवार के दबाव के लिए तैयार रहें। मौके का फायदा उठाते हुए, राघव ने मजाकिया अंदाज में कहा, 'देंगे, आपको देंगे... जल्दी खुशखबरी देंगे,' जिससे परिणीति हैरान रह गईं।

इंदौर की बहू बनेंगी स्मृति मंधाना! बॉयफ्रेंड पलाश मुच्छल ने शादी पर लगाई मुहर

मुंबई। म्यूजिक डायरेक्टर और फिल्ममेकर पलाश मुच्छल ने क्रिकेटर स्मृति मंधाना से अपनी शादी की खबर को कंफर्म किया है। हाल ही में स्टेट प्रेस क्लब में एक कार्यक्रम के दौरान, इंदौर निवासी पलाश से स्मृति के साथ उनके रिश्ते के बारे में पूछा गया।

पलाश मुच्छल ने स्मृति मंधाना के साथ शादी की पुष्टि की

पलाश और स्मृति के बीच रिलेशनशिप की खबरें बार-बार आती रही हैं। पलाश अक्सर अपने इंस्टाग्राम पर उनके साथ तस्वीरें शेयर करते रहते हैं। हालांकि, दोनों ने कभी भी सार्वजनिक रूप से अपने रिश्ते की पुष्टि नहीं की है। समाचार एजेंसी पीटीआई के अनुसार, पलाश ने कहा, 'वह जल्द ही इंदौर की बहू बनेगी... बस इतना ही कहना चाहता हूं। मैंने आपको हेडलाइन दे दी है।' हालांकि, पलाश ने अपनी शादी की तारीख या अन्य जानकारी शेयर नहीं की।

स्मृति मंधाना के बारे में

भारतीय महिला क्रिकेट टीम की उप-कप्तान और सलामी बल्लेबाज स्मृति

इन दिनों इंग्लैंड के खिलाफ रविवार को होने वाले आईसीसी महिला विश्व कप वनडे मैच के लिए इंदौर में हैं। पलाश ने कहा, 'मेरी शुभकामनाएं भारतीय कप्तान हरमनप्रीत कौर और स्मृति (मंधाना) के साथ हैं। हम हमेशा यही चाहते हैं कि भारतीय क्रिकेट टीम हर मैच जीते और देश का नाम रोशन करे।' इस साल की शुरुआत में, जुलाई में, पलाश ने स्मृति के जन्मदिन पर इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट शेयर की थी। पलाश ने लिखा था, 'शुरू से ही, आप उथल-पुथल में मेरी शांति, मेरी सबसे बड़ी चीयरलीडर और मेरे जानने वालों में सबसे प्रेरणादायक रही हैं - मैदान पर और मैदान के बाहर, आपने मुझे दिखाया है कि दबाव में संयम कैसा होता है और शांत शक्ति वास्तव में क्या होती है। जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं स्मृतिज़्ज़्ज़्ज़्ज़ @smriti_mandhana~' यह दोनों एक-दूसरे को कई सालों से डेट कर रहे हैं।

क्या करते हैं पलाश मुच्छल

म्यूजिक डायरेक्टर और फिल्ममेकर अपनी बहन पलक मुच्छल के साथ कई बॉलीवुड फिल्मों में म्यूजिक दिया है। वर्तमान में, पलाश अपनी निर्देशित फिल्म 'राजू बाजेवाला' की शूटिंग कर रहे हैं। इस फिल्म में अविका गौर और चंदन रॉय मुख्य भूमिकाओं में हैं। मार्च 2014 में पलाश की पहली फिल्म ढिश्कियाऊं में रिलीज हुई थी। उन्होंने भूतनाथ रिटर्न्स, ढिश्कियाऊं और अमित साहनी की लिस्ट के लिए भी म्यूजिक तैयार किया है। पलाश के प्रसिद्ध गाने पार्टी तो बनती है (भूतनाथ रिटर्न्स), तू ही है आशिकी (ढिश्कियाऊं) जैसे गाने काफी लोकप्रिय हुए हैं।

खेलों में ऑस्ट्रेलिया का दबदबा- सिर्फ मैदान नहीं, जीत की मानसिकता का कमाल

नई दिल्ली।ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट का नजरीया खेल को लेकर हमेशा से सीधा लेकिन बेहद आक्रामक रहा है। मैदान पर इस अंदाज़ में खेलो कि हार विकल्प ही न लगे। दिलचस्प यह है कि आबादी भारत के एक मेट्रो शहर से भी कम होते हुए भी ऑस्ट्रेलिया दुनिया की सबसे सफल क्रिकेट तरीका बन चुका है।

भारतीय टीम फिलहाल ऑस्ट्रेलियाई दौरे पर है, जहां तीन वनडे और पांच टी-20 मैच खेले जाएंगे। क्रिकेट एक्सपर्ट्स का मानना है कि यह सिर्फ सीरीज़ नहीं, बल्कि दो बिल्कुल अलग खेल-संस्कृतियों की टक्कर है।

गौरतलब है कि ऑस्ट्रेलिया पुरुष अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में अब तक 1100 से अधिक जीत दर्ज करने वाली दुनिया की अकेली टीम है। वहीं महिला क्रिकेट में वे हर हार पर लगभग तीन जीत की दर से आगे चलते हैं। इस दबदबे के पीछे तीन मुख्य कारण माने जाते हैं, जीत को आदत बना चुकी मानसिकता, स्कॉलरशिप और स्टेडियम-ड्रिवन स्पोर्ट्स इंफ्रास्ट्रक्चर। 21वीं सदी में भारत ने सबसे अधिक मुकाबले जीते हैं, यहां तक कि ऑस्ट्रेलिया से भी अधिक, लेकिन जब बात आती है ICC ट्रॉफी की, तो ऑस्ट्रेलिया भारत से 8 खिताब आगे है और फाइनल की भिड़ंत में भारत एक भी बार उन्हें हरा नहीं पाया है।

सबसे बड़ा फर्क भावनाओं का माना जाता है। 2023 में फाइनल जीतकर लौटी ऑस्ट्रेलियाई टीम के स्वागत में एयरपोर्ट पर बस कुछ लोग खड़े थे, जबकि भारत ने 2024 का टी-20 वर्ल्ड कप जीता, तो सड़कों पर लाखों लोगों

की भीड़ उमड़ पड़ी। यही प्रोफेशनल बनाम भावनात्मक दृष्टिकोण का मूल अंतर है।

एक्सपर्ट्स का मानना है कि अगर टीम इंडिया और भारतीय समर्थक मैच को उत्सव नहीं, मिशन की तरह देखना शुरू करें, तो ऑस्ट्रेलिया को लगातार टक्कर देने की क्षमता बहुत अधिक बढ़ सकती है, लेकिन अभी की स्थिति यही बताती है कि मानसिक स्थिरता और अनुशासन के खेल में बढ़त अभी भी ऑस्ट्रेलिया के पास है।

भारत की हार का असली गुनहगार कौन? स्मृति मंधाना ने खुद बताया ये बड़ा राज़!

नई दिल्ली।भारतीय सलामी बल्लेबाज स्मृति मंधाना ने अपने आउट होने के बाद शॉट चयन की ज़िम्मेदारी ली, जिसके कारण अंत में टीम का पतन हुआ और रविवार को इंदौर में आईसीसी महिला विश्व कप के रोमांचक मैच में भारत इंग्लैंड से चार रनों से हार गया। 289 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए, भारत एक समय नियंत्रण में दिख रहा था, लेकिन अंतिम ओवरों में पिछड़ गया, जिससे टीम और प्रशंसक निराश हो गए। पतन के पीछे के कारण के बारे में पूछे जाने पर, मंधाना ने कहा, 'हाँ, बिल्कुल, मेरा मतलब है कि टीम पतन की ओर अग्रसर हुई; सभी ने इसे देखा। मुझे लगता है कि उस समय सभी के शॉट चयन - हम अपने शॉट चयन के साथ बेहतर कर सकते थे। खासकर, इसकी शुरुआत मुझसे हुई, इसलिए मैं यह मानती हूँ कि शॉट चयन बेहतर होना चाहिए था। हमें बस प्रति ओवर छह रन चाहिए थे। शायद हमें खेल को और आगे ले जाना चाहिए था। तो हाँ, मेरा मतलब है कि मैं इसे खुद से लेती हूँ क्योंकि पतन की शुरुआत मुझसे हुई थी।

क्या फिनिशिंग का प्रयास ऋचा घोष पर अत्यधिक निर्भर था, इस सवाल का भी भारतीय सलामी बल्लेबाज़ ने जवाब दिया। मंधाना ने स्पष्ट किया कि मेरा मतलब है, ऋचा हमारे लिए अच्छी रही हैं, लेकिन मैं यह नहीं कहूँगी कि यह सिर्फ़ उन पर निर्भर है। हमें

बस 6.5 रन प्रति ओवर चाहिए थे, ऐसा नहीं है कि हमें 9 रन प्रति ओवर चाहिए थे। फिनिशिंग का हिस्सा बहुत ज़्यादा माँगने वाला था, लेकिन हमने अमन (अमनजोत कौर) को डब्ल्यूपीएल (महिला प्रीमियर लीग) में ऐसा करते देखा है, और साथ ही स्नेह (राणा) ने पहले 3-4 मैचों में हमारे लिए आखिरी 4-5 ओवरों में शानदार बल्लेबाज़ी की है। इसलिए, मैं यह नहीं कहूँगी कि यह सिर्फ़ एक खिलाड़ी पर निर्भर था, खासकर इस मैच में। हम सभी इसे स्वीकार करेंगे; हम खुद पर भरोसा करेंगे कि हम आखिरी छह ओवरों में वास्तव में बेहतर प्रदर्शन कर सकते थे।'

अमनजोत कौर 15 गेंदों पर 18 और स्नेह राणा नौ गेंदों पर 10 रन बनाकर नाबाद रहीं, लेकिन अपनी तमाम कोशिशों के बावजूद वे भारत को जीत नहीं दिला सकीं। 289 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए भारत शुरुआत में 42/2 के स्कोर पर मुश्किल में दिख रहा था, लेकिन मंधाना और हरमनप्रीत ने 125 रनों की शानदार साझेदारी करके टीम को संभाला। इस जोड़ी ने धैर्य और अधिकार के साथ खेला, अंग्रेजी गेंदबाजों पर आक्रमण किया और भारत को असली उम्मीद दी।

विश्व कप में लक्ष्य का पीछा करते हुए भारत के लिए उनकी यह सबसे बड़ी साझेदारी थी, जिसने 2017 में टॉन्टन में वेस्टइंडीज के खिलाफ मंधाना और मिताली राज के बीच बनी 108 रनों की साझेदारी को पीछे छोड़ दिया।

हरमनप्रीत, जिन्होंने अब तक टूर्नामेंट में खराब प्रदर्शन किया था, अपने सर्वश्रेष्ठ रूप में लौट आईं। उन्होंने 70 गेंदों पर 10 चौकों की मदद से 70 रनों की तेज पारी खेली, इससे पहले कि वह अपनी अंग्रेजी समकक्ष नैट साइवर-ब्रंट द्वारा आउट हो गईं।

क्रिकेट के मैदान से राजनीति की पिच तक, नवजोत सिद्धू ने ऐसे बदली अपनी 'पारी' की दिशा

नई दिल्ली। 20 अक्तूबर को विस्फोटक बल्लेबाज नवजोत सिंह सिद्धू अपना 62वां जन्मदिन मना रहे हैं। सिद्धू की गिनती ऐसे क्रिकेटरों में की जाती थी, जिनकी मैदान पर मौजूदगी विपक्षी टीम में खौफ पैदा कर देती थी। विपक्षी टीमें भी इनके खौफ का लोहा मानती थीं। नवजोत सिंह सिद्धि अपने दौर में बल्लेबाजी की रीढ़ रहे हैं। तो आइए जानते हैं उनके जन्मदिन के मौके पर क्रिकेट, अभिनय और राजनीति की पिच पर बैटिंग कर चुके नवजोत सिंह सिद्धू के जीवन से जुड़ी कुछ रोचक बातों के बारे में...

जन्म और परिवार

पंजाब राज्य के पटियाला जिले में 20 अक्तूबर 1963 को नवजोत सिंह सिद्धू का जन्म हुआ था। इनके पिता का नाम सरदार भगवंत सिंह सिद्धू था, जोकि क्रिकेटर थे। उनके पिता नवजोत सिंह सिद्धू को उच्च श्रेणी का क्रिकेटर बनाना चाहते थे। उन्होंने अपनी शुरूआती शिक्षा यदिवेंद्र स्कूल से पूरी की। फिर उन्होंने पंजाब यूनिवर्सिटी से कानून विषय में स्नातक किया।

क्रिकेटर करियर

साल 1983 से लेकर 1999 तक नवजोत

सिंह सिद्धू का अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट करियर रहा था। क्रिकेटर ने अपना पहला टेस्ट मैच साल 1983 में वेस्टइंडीज के खिलाफ अहमदाबाद में खेला था। उन्होंने साल 1989 में पहला एकदिवसीय शतक पाकिस्तान के खिलाफ शारजाह में लगाया था। वहीं नवजोत सिंह सिद्धि ने अपना आखिरी टेस्ट मैच 06 जनवरी 1999 को न्यूजीलैंड के खिलाफ खेला था। वहीं आखिरी एकदिवसीय मैच 20 सितंबर 1998 को पाकिस्तान के खिलाफ खेला था। फिर दिसंबर 1999 में सिद्धू ने क्रिकेट के सभी फॉर्मेट से संन्यास लेने की घोषणा की।

कमेंटेटर

साल 2001 में नवजोत सिंह सिद्धू ने भारत के श्रीलंका दौरे से बतौर कमेंटेटर अपना करियर की शुरूआत की। उन्होंने कमेंटेटर के रूप में अपनी एक अलग पहचान बनाई है और वह अपनी वन लाइनर्स के कारण फेमस हो गए। जिसको 'एग्प्लेसे' कहा जाता है। शुरूआत में सिद्धू ने ईएसपीएन-स्टार और बाद में टेन स्पोर्ट्स के लिए काम किया। फिर बाद में वह क्रिकेट विश्लेषण के रूप में दिखने लगे। आईपीएल में सिद्धू हिंदी कमेंट्री भी करते हैं।

राजनीतिक पारी

साल 2004 के लोकसभा चुनाव में उन्होंने भाजपा के टिकट पर अमृतसर सीट से जीत हासिल की थी। लेकिन कोर्ट केस होने के कारण सिद्धू को अपना पद छोड़ना पड़ा था। लेकिन वह फिर इस सीट से जीते। साल 2014 के आम लोकसभा चुनाव में उनको अमृतसर की सीट नहीं मिली, लेकिन इसके बाद भी सिद्धू ने बीजेपी के लिए प्रचार किया। वहीं 28 अप्रैल 2016 को सिद्धू को राज्यसभा का सदस्य मनोनीत किया गया। हालांकि पिछले कुछ समय से बीजेपी में अपनी उपेक्षा से नाराज होकर सिद्धू ने राज्यसभा से इस्तीफा दे दिया था।

दिवाली पर सुरक्षित निवेश की मांग से सोने-चांदी की चमक लौटी

नई दिल्ली।वैश्विक अनिश्चितताओं के बीच सुरक्षित निवेश की बढ़ती मांग और रिकॉर्ड ऊंचाई से कुछ गिरावट के बाद मूल्य आधारित खरीदारी की के चलते घरेलू वायदा बाजार में सोमवार को सोने और चांदी की कीमतों में तेजी लौट आई।

मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर दिसंबर डिलीवरी वाले सोने का वायदा भाव 982 रुपये या 0.77 प्रतिशत बढ़कर 1,27,990 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गया। इसमें 14,913 लॉट के लिए कारोबार हुआ।

शुक्रवार को सोना 1,32,294 रुपये प्रति 10 ग्राम के सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंच गया था, हालांकि बाद में इसमें गिरावट हुई और यह 1,27,008 रुपये प्रति 10 ग्राम के भाव पर बंद हुआ।

सोने का फरवरी 2026 अनुबंध भी 1,680 रुपये या 1.31 प्रतिशत बढ़कर 1,29,743 रुपये प्रति 10 ग्राम के भाव पर पहुंच गया। इसमें 1,862 लॉट के लिए कारोबार हुआ। चांदी वायदा में भी सुधार हुआ। दिसंबर डिलीवरी के लिए यह 1,522 रुपये या 0.97 प्रतिशत बढ़कर 1,58,126 रुपये प्रति किलोग्राम पर पहुंच गई। इसमें 23,985 लॉट के लिए कारोबार हुआ।

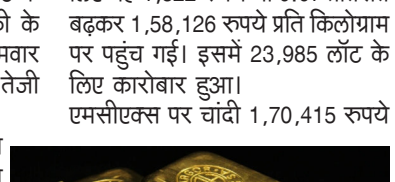

एमसीएक्स पर चांदी 1,70,415 रुपये प्रति किलोग्राम के सर्वकालिक उच्च स्तर पर थी। विश्लेषकों ने कहा कि बढ़ते भू-राजनीतिक तनाव, वैश्विक व्यापार संबंधी अनिश्चितताओं और अमेरिका में लंबे समय तक शटडाउन (सरकार के ज्यादातर कामकाज पर रोक) रहने की चिंताओं के बीच सुरक्षित निवेश की मांग मजबूत बनी हुई है।

शुरुआती कारोबार में शेयर बाजारों में तेजी, सेंसेक्स 700 अंक उछला

नई दिल्ली। रिलायंस इंडस्ट्रीज और एचडीएफसी बैंक जैसे बड़े शेयरों में तेजी और विदेशी निवेशकों की लिवाली के चलते प्रमुख शेयर सूचकांक सेंसेक्स और निफ्टी सोमवार को शुरुआती कारोबार में बढ़त के साथ खुले। वैश्विक बाजारों में जोरदार तेजी से भी स्थानीय बाजारों को समर्थन मिला।

इस दौरान 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 704.37 अंक बढ़कर 84,656.56 पर पहुंच गया। दूसरी ओर 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 216.35 अंक बढ़कर 25,926.20 पर था।

सेंसेक्स की कंपनियों में रिलायंस इंडस्ट्रीज, एक्सिस बैंक, कोटक महिंद्रा बैंक, इंफोसिस और बजाज फिनसर्व में उल्लेखनीय बढ़त हुई। दूसरी ओर आईसीआईसीआई बैंक, अल्ट्राटेक सीमेंट, ट्रेंट और टाटा स्टील लाल निशान में थे।

शेयर बाजार के आंकड़ों के मुताबिक विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने शुक्रवार को 308.98 करोड़ रुपये के शेयर खरीदे। वैश्विक तेल मानक ब्रेंट क्रूड 0.36 प्रतिशत गिरकर 61.07 डॉलर प्रति बैरल के भाव पर था।

रूस-यूक्रेन युद्ध खत्म करने का सही समय! ज़ेलेंस्की ने मैक्रों से कहा 'दबाव बढ़ाओ'

कीव। यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदिमीर ज़ेलेंस्की ने कहा कि रूस के साथ युद्ध समाप्त करने की दिशा में आगे बढ़ने का सही समय आ गया है, और उन्होंने सहयोगियों से मास्को पर राजनयिक दबाव बढ़ाने का आह्वान किया। सोमवार को एक्स पर एक पोस्ट में, ज़ेलेंस्की ने कहा कि उन्होंने फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों से नवीनतम घटनाक्रम और शांति सुनिश्चित करने के लिए चल रहे राजनयिक प्रयासों पर बात की है। ज़ेलेंस्की ने लिखा कि मैंने फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों से बात की। अब युद्ध समाप्त करने की दिशा में आगे बढ़ने का सही समय है, और सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि हर अवसर का पूरा लाभ उठाया जाए और रूस पर सही तरह का दबाव डाला जाए।

ज़ेलेंस्की ने कहा कि युद्ध शुरू करने वाले पर दबाव डालना ही अंत की कुंजी है। इमैनुएल और मैंने सभी मौजूदा कूटनीतिक पहलुओं और साझेदारों के साथ हमारे हालिया संपर्कों पर चर्चा की। मैं आपके समर्थन के लिए आभारी हूँ। हम निकट भविष्य में मिलने पर सहमत हुए हैं। यह पिछले हफ़्ते शुक्रवार को यूक्रेनी राष्ट्रपति और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बीच हुई मुलाकात के बाद आया है। ट्रंप ने कहा कि ज़ेलेंस्की के साथ अपनी मुलाकात में उन्होंने दोनों पक्षों से संघर्ष रोकने का अनुरोध किया। ट्रंप ने कहा कि वे मुख्य रूप से लोगों की जान बचाने और रोज़ाना हज़ारों लोगों को मरने से रोकने के लिए वहाँ मौजूद हैं।

उन्होंने कहा कि मैंने आज राष्ट्रपति ज़ेलेंस्की से मुलाकात की और हमारी बहुत अच्छी, बहुत सौहार्दपूर्ण बैठक हुई। उन्हें तुरंत युद्ध रोक देना चाहिए। आप युद्ध रेखा के अनुसार चलें, चाहे वह कहीं भी हो। अन्यथा, यह बहुत जटिल है। आप इसे कभी नहीं समझ पाएंगे। युद्ध रेखा पर रुकें और दोनों पक्षों को घर जाना चाहिए, अपने परिवारों के पास जाना चाहिए, हत्याएँ रोकनी चाहिए, और बस इतना ही होना चाहिए। युद्ध रेखा पर अभी रुकें। मैंने यह राष्ट्रपति ज़ेलेंस्की से कहा। मैंने यह राष्ट्रपति पुतिन से कहा।

डोनाल्ड ट्रंप ने फिर किया भारत-पाकिस्तान के बीच युद्ध रुकवाने का दावा, सात विमान मार गिराए जाने की बात कही

वांशिगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक बार फिर भारत और पाकिस्तान के बीच युद्ध रुकवाने का दावा किया है। उन्होंने कहा कि दोनों देशों के बीच हुई गोलीबारी में सात विमान मार गिराए गए, लेकिन उन्होंने यह नहीं बताया कि वे किस देश के थे। रविवार को 'फॉक्स' न्यूज को दिए साक्षात्कार में ट्रंप ने दावा किया कि शुल्क लगाने की धमकी ने भारत और पाकिस्तान को युद्ध रोकने के लिए मजबूर किया। अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा, 'शुल्क की धमकी ने दो परमाणु शक्ति संपन्न देशों भारत और पाकिस्तान को युद्ध से रोक दिया। वे युद्ध कर रहे थे। सात विमान मार गिराए गए; यह बहुत बड़ी बात है। दोनों के बीच परमाणु युद्ध हो सकता था।' ट्रंप ने कहा कि पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने लाखों लोगों की जान बचाने के लिए उनकी प्रशंसा की है। उन्होंने कहा, 'पाकिस्तान के प्रधानमंत्री ने वास्तव में हाल ही में कहा कि डोनाल्ड ट्रंप, राष्ट्रपति ट्रंप, ने ऐसा करके लाखों लोगों की जान बचाई।' अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा कि उन्होंने भारत और पाकिस्तान पर 200 प्रतिशत शुल्क (टैरिफ) लगाने की धमकी दी थी, जिसकी वजह से उन्हें युद्ध रोकना पड़ा। ट्रंप ने

कहा कि उन्होंने दोनों देशों से कहा, 'हम 200 प्रतिशत शुल्क लगाएंगे, जिससे आपके लिए सौदा करना असंभव हो जाएगा, और हम आपके साथ व्यापार नहीं करेंगे।

अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा, '24 घंटे बाद, मैंने युद्ध रुकवा दिया।' ट्रंप ने 10 मई को सोशल मीडिया पर घोषणा की थी कि अमेरिका की मध्यस्थता में लंबी बातचीत के बाद भारत और पाकिस्तान 'पूर्ण व तत्काल' संघर्षविराम पर सहमत हो गए हैं। तब से उन्होंने दर्जनों बार यह दावा किया है कि उन्होंने भारत और पाकिस्तान के बीच संघर्ष रुकवाने में मदद की। भारत ने लगातार यह कहा है कि पाकिस्तान के साथ संघर्ष विराम पर सहमति दोनों सेनाओं के सैन्य संचालन महानिदेशकों (डीजीएमओ) के बीच सीधी बातचीत के बाद बनी थी। भारत ने 22 अप्रैल को पहलगाम में हुए आतंकी हमले के जवाब में सात मई को पाकिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में आतंकवादियों के ठिकानों को निशाना बनाते हुए ऑपरेशन सिंदूर शुरू किया था। पहलगाम हमले में 26 लोगों की मौत हुई थी। चार दिन तक हुई झड़पों के बाद, भारत और पाकिस्तान के बीच 10 मई को संघर्ष समाप्त करने पर सहमति बनी थी।

हांगकांग हवाई अड्डे के रनवे पर मालवाहक विमान फिसलकर समुद्र में गिरा, दो लोगों की मौत

हांगकांग में सोमवार तड़के एक मालवाहक विमान उतरने के दौरान रनवे से फिसलकर समुद्र में जा गिरा, जिससे दो लोगों की मौत हो गई। हांगकांग हवाई अड्डा प्राधिकरण के अनुसार, यह उड़ान दुबई से आ रही थी और हांगकांग अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर तड़के तीन बजकर 50 मिनट पर उतर रही थी।

विमान के चालक दल के चार सदस्यों को बचा लिया गया और उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस की

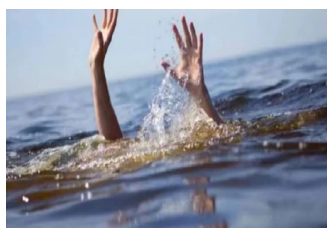

प्रारंभिक रिपोर्ट के अनुसार, हवाई अड्डे पर तैनात एक वाहन में सवार दो लोगों की मौत हो गई।

हांगकांग हवाई अड्डा एशिया के सबसे व्यस्त हवाई अड्डों में से एक है और जिस रनवे पर विमान फिसला था, उसे बंद कर दिया गया है। हालांकि, हवाई अड्डा के अन्य दो रनवे अब भी संचालित हो रहे हैं।

यह बोइंग 747 मालवाहक विमान तुर्किये की मालवाहक कंपनी एयरएसीटी का था। हांगकांग के नागरिक उड्डयन विभाग ने एक बयान में कहा कि वह एयरलाइन और अन्य संबंधित पक्षों के साथ समन्वय करते हुए मामले की जांच कर रहा है।

सिंगापुर में प्रवासी कामगारों ने दीपावली का त्योहार मनाया

नई दिल्ली।भारत से आए प्रवासी कामगारों समेत 500 से अधिक लोगों ने सिंगापुर में हर्षोल्लास के दीपावली का त्योहार मनाया। कार्यक्रम के दौरान कुछ श्रमिकों ने अपने परिवारों के लिए शुभकामना संदेश लिखे, जिन्हें बाद में उनके घर भेजा जाएगा।

'द स्ट्रेट टाइम्स' समाचार पत्र की खबर के अनुसार सिंगापुर के श्रम मंत्रालय और 'इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट एलुमनी सिंगापुर' ने लोकप्रिय तटवर्ती इलाके गार्डंस बाय द बे के फ्लॉवर फील्ड हॉल में दीपावली

के उपलक्ष्य में कार्यक्रम आयोजित किया था।

कार्यक्रम में शामिल हुए श्रम मामलों के राज्य मंत्री दिनेश वासु दास ने कहा कि वर्ष 2025 सिंगापुर की स्वतंत्रता के 60 वर्ष पूरे होने के कारण विशेष महत्व रखता है। उन्होंने कहा कि प्रवासी समुदाय को दीपावली समारोह में आमंत्रित करने का मकसद उनके योगदान के लिए सिंगापुर की ओर से कृतज्ञता प्रकट करना है। उन्होंने कहा, 'हम जानते हैं कि घर से दूर रहना आसान नहीं होता... इसलिए हम यहां आए हैं, एक साथ त्योहार मनाने के लिए और यह बताने के लिए कि भले ही आप अपने घर से दूर हों, लेकिन सिंगापुर में आप अकेले नहीं हैं।

भारत से अपनी विदाई पर भावुक हुए ईरानी राजदूत, इराज इलाही बोले- यह धरती बहुत खूबसूरत व अनमोल

नई दिल्ली। भारत में अपने राजनयिक मिशन के पूरा होने पर मैं इस खूबसूरत धरती से अनमोल और अविस्मरणीय यादें लेकर जा रहा हूं। यहां रहने के दौरान, मैंने हमेशा इस देश के स्नेही और विनम्र लोगों के बीच घर जैसा महसूस किया। यह बात दिल्ली में ईरान के राजदूत रहे इराज इलाही ने भारत में अपना राजनयिक मिशन पूरा करने को लेकर एक भावुक नोट में कही।

उन्होंने कहा कि मैंने महान भारतीय राष्ट्र और उसकी सरकार को उचित वैश्विक प्रतिष्ठा हासिल करने की अथक कोशिशों को प्रत्यक्ष तौर से देखा, मुझे पूरा विश्वास है कि यह ऐसा लक्ष्य है जिसे भारत जल्द ही हासिल कर लेगा। इलाही ने आगे कहा कि मेरा दृढ़ विश्वास है कि ईरान और भारत की प्राकृतिक क्षमताएं, सांस्कृतिक समानताएं और साझा रणनीतिक स्वतंत्रता उन्हें स्वाभाविक साझेदार बनाती हैं। मुझे खुशी है कि मेरे कार्यकाल के दौरान, दोनों देशों के बीच चाबहार के रणनीतिक बंदरगाह के लिए सहयोग चालू हो गया। यह एक ऐसा प्रवेश द्वार जो जल्द ही ईरान के रेलवे नेटवर्क से जुड़ जाएगा और क्षेत्रीय विकास और वैश्विक अर्थव्यवस्था में सहायक होगा।

यहीं नहीं, इलाही ने भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत के साथ ही जरूरत के वक्त ईरान के साथ खड़े रहने के लिए भारत की सराहना की। उन्होंने कहा, 'इन वर्षों में, मुझे भारत के कई क्षेत्रों और शहरों का दौरा करने और इसकी समृद्ध सांस्कृतिक और ऐतिहासिक विरासत का अन्वेषण करने का सौभाग्य मिला है। मैंने ईरान और भारत के महान लोगों के बीच दोस्ती के स्थायी बंधन को गहराई से महसूस किया है, जो इतिहास के उतार-चढ़ाव में एक-दूसरे के साथ खड़े रहे हैं।'

यही नहीं, ईरानी राजनयिक ने जाते-जाते भारतीयों को ईरान आने और उनके सभ्यतागत संबंधों का अनुभव करने के लिए निमंत्रण भी दिया। उन्होंने कहा कि दोनों देशों ने अपने देशवासियों के बीच आदान-प्रदान बढ़ाने के लिए समान रूप से जरूरी और अहम कदम उठाए हैं। मैं सभी भारतीय दोस्तों को ईरान आने, उसकी खूबसूरती को प्रत्यक्ष तौर से देखने और हमारी दो प्राचीन सभ्यताओं के बीच गहरे ऐतिहासिक और सांस्कृतिक संबंधों का अनुभव करने के लिए दिल से आमंत्रित करता हूं।

ाताते चलें कि भारत और ईरान के बीच परस्पर संबंधों का एक सहस्राब्दी पुराना इतिहास है। समकालीन संबंध इन ऐतिहासिक और सभ्यतागत संबंधों की मजबूती पर आधारित हैं और उच्च-स्तरीय आदान-प्रदान, वाणिज्यिक और संपर्क सहयोग, सांस्कृतिक और मजबूत लोगों के बीच संबंधों द्वारा निरंतर विकसित हो रहे हैं।

राजस्थान में मुख्यमंत्री ने जयपुर में परिवार के साथ दिवाली पर की खरीदारी

जयपुर। राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने दिवाली की पूर्व संध्या पर जयपुर में स्थानीय दुकानदारों और रेहड़ी-पटरी वालों से खरीदारी करके 'वोकल फॉर लोकल' अभियान को गति

दी। शर्मा रविवार को अपने परिवार के साथ मानसरोवर के एक बाजार में पहुंचे और मिट्टी के दीये, पूजा सामग्री, रंगोली के रंग, सजावटी सामान और फल जैसी पारंपरिक वस्तुएं खरीदीं। इस दौरान शर्मा ने विक्रेताओं से बातचीत की और यूपीआई के माध्यम से भुगतान किया। स्थानीय व्यापार संघों और आम लोगों ने मुख्यमंत्री का स्वागत और अभिनंदन किया। राज्य के लोगों को दिवाली की शुभकामनाएं देते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार द्वारा जीएसटी दरों में कमी से दैनिक उपयोग की वस्तुएं सस्ती हो गई हैं।

Facebook: https://www.facebook.com/profile.phpid=100063787346044 Twitter: https://twitter.com/mantrabharatt=8tJONQ7H-h6EKqqap2tVMw&s=08 Mobile No: 7007837917

मंत्र भारत : R.N.I. MAHHIN/ 2016/65841 स्वात्वाधिकारी राकेश शर्मा के लिए राकेश शर्मा द्वारा AIS Printing solution प्लॉट नं0-A- 544 TTC इंडस्ट्रियल एरिया एमआईडीसी माहपे-नवी मुंबई, थाने 400709 से मुद्रित एवं शाप.नं. 36, द्वितीय तल, प्लाट -490.1. जाम मील बिल्डिंग, डॉ बाबा साहेब अम्बेकर रोड, लाल बाग परेल, मुम्बई-400012प्रकाशित एवं सम्पादित । कार्यालय : शाप.नं. 36, द्वितीय तल, प्लाट -490.1. जाम मील बिल्डिंग, डॉ बाबा साहेब अम्बेकर रोड, लाल बाग परेल, मुम्बई-400012 । फोन : 022-24706563 । कार्यकारी सम्पादक- योगेन्द्र चौधरी
E-Mail : editormantrabharat@gmail.com mantrabharatmumbai@gmail.com । सम्पादक : विनोद आर शर्मा, मोबाइल : 7007837917 । समूह सम्पादक : डॉ दयानन्द तिवारी। वैधानिक सूचना : मंत्र भारत से संबंधित समस्त विवाद निपटारे के लिए मंत्र प्रधान कार्यालय क्षेत्र प्रयागराज/ इलाहाबाद न्यायालय ही होगा। प्रधान कार्यालयः 80ए मेंहदौरी, तेलियरगंज, प्रयागराज-211004 (नोटः कानूनी पत्र व्यवहार का पता प्रधान कार्यालय ही होगा।)